आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 69 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 सितंबर 2025 गुरुवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कौन होगा नेपाल का नया मुखिया?

सुशीला कार्की, बालेश शाह, रवि, ज्ञानेंद्र सिंह या फिर घीसिंग?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नेपाल में हुई युवा क्रांति का दौर थमने के साथ ही अब यह कवायद तेज हो गई है कि नेपाल में नया पीएम कौन होगा? सुशीला कार्की, काठमांडू के मेयर बालेश शाह, या फिर जेल से जबरिया बाहर निकाले गए रवि लिमिछिने ? या फिर नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की लाटरी खुलेगी? नेपाली राष्ट्पति रामचंद्र पौडेल के साथ नेपाली सेना के आर्मी मुखिया शांति बहाली के बाद नए पीएम नेपाल में के लिए मशक्कत कर रहे हैं। नए पीएम काा फैसला होने से तय हो जाएगा कि नेपाल का नया मुखिया नेपाल के हितों की रक्षा करने के साथ ही चीन परस्ती की राह चलेगा या भारत को रास आने वाला होगा। या फिर अमेरिका के प्रति सॉफ्ट कार्नर रखने वाले को महत्व दिया जाएगा। लेकिन इसके साथ ही इन सवालों के जवाब भी खोजे जा रहे हैं कि नेपाल में जेन-जी की क्रांति के पीछे कौन सी बाहरी ताकतों ने क्या भूमिका निभाई? चीन,अमेरिका ,भारत की खुफिया एजेंसी रॉ अथवा आरएसएस से जुड़ा नेपाल का हिंदु स्वयं सेवक संघ(एचएमएस)।

नेपाल के नए मुखिया के लिए जेन-जी के साथ बातचीत पूरी करने के बाद यह कवायद तेजी से चल पड़ी है और संभव है कि शाम तक या एक दो दिनों में नेपाल के नए पीएम का नाम सामने आ जाएगा। भले ही वह अंतरिम हो या अंतिम। वैसे भी वहां नए सिरे से चुनाव की भूमिका तैयार होने लगी है। नेपाल के नए सीएम के लिए सुशीला कार्की का नाम सबसे आगे है जो टीचर और वकील का सफर तय करते हुए नेपाल की पहिला मुख्य न्यायाधीश तक का सफर तय कर चुकी हैं। वे भ्रष्टाचार के खिलाफ काफी सख्त रही हैं जिसके चलते उनके खिलाफ नेपाली संसद में महाभियोग भी लाया जा चुका है। सुशीला कार्की भारत को पसंद करती हैं। खासतौर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को। नेपाल में आंदोलनकारियों में कई ऐसे भी हैं जो मोदी जैसा नेपाल का नया मुखिया चाहे हैं। जेन-जी का बड़ा वर्ग भी उनके नाम पर सहमति जता चुका है। यदि वे पीएम बनती हैं तो देश की पहली महिला प्रधान मंत्री होंगी। दूसरा नाम है, काठमांडू के मेयर बालेन शाह का जो तीन करोड़ की आबादी में तीस फीसदी की उपस्थिति रखने वाले युवा वर्ग के बीच खासे लोकप्रिय है। नेपाल की ताजा युवा क्रांति में उनकी भूमिका भी सूत्रधार के बतौर सामने आई है। तीसरा नाम रवि लिमिछाने का है जो पत्रकारिता के रास्ते सियासत के गलियारों में पहुंचे। गृह मंत्री से लेकर उप प्रधानमंत्री तक का ओहदा वे संभाल चुके हैं। लेकिन गृह मंत्री के बतौर भर्तियों और खरीदी के टेडरों में गड़बड़ी के आरोपों से लेकर उप प्रधानमंत्री के बतौर नेपाल के बहुचर्चित सहकारिता घोटाले में उनका नाम आया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वे इसी साल 10मई को जेल भेजे गए थे। इसके पहले उनकी 2007 से 2017 तक अमेरिकी नागरिकता के चलते दोहरी नागरिकता के आरोप भी उन पर लगे थे। जेन-जी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों ने उन्हें जबरिया जेल से निकाला है। जाहिर है कि उन्हें कुर्सी मिलती है तो नेपाल के नए मुखिया पर अमेरिका परस्ती के आरोप भी लगेंगे । बालेन शाह के बारे में साफ नहीं हैं कि पीएम बनने के बाद वह चीन के सुर में सुर मिलाएंगे या फिर स्वतंत्र छवि के साथ अपना काम आगे बढ़ाएंगे। नेपाल के बिजली बोर्ड के पूर्व सीआईओ कुलमान घीसिंग का नाम भी उभरा है तो नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र सिंह के नाम पर भी विचार जारी है , जिन्हें 1996 से लेकर 2006 तक चली माओवादी हिंसा के चलते राजगद्दी गवांना पड़ी थी। तेरह हजार लोग नक्सली हिंसा में मारे गए थे। 2008 में लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ था। रवि लिमिछाने के बारे में कहा जा रहा है कि यदि उनको मौका नहीं मिलता है तो वे नेपाल किंग के साथ भी जा सकते हैं।

नेपाल के एचएमएस और भारत के आरएसस की जुगलबंदी पर भी सवाल

नेपाल के हिंदु स्वयं सेवक संघ (एचएमएस) और भारत से आरएसएस की जुगलबंदी के तर्क देने वाले वामपंथी पैरोकारों के पास तर्कों के कई तीर हैं। नेपाल में 1992 से शुरू हुए एकल विद्यालय की संख्या 1028 हो चुकी है। सरस्वती शिशु मंदिर की तर्ज पर पशुपति शिक्षा मंदिर भी हैं। एचएसएस नेपाल के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में सक्रिय है। इन स्कूलों में अपनी संस्कृति के प्रति सचेत करने के साथ ही हिंदु संस्कार वाली शिक्षा भी दी जाती है जिसमें गोमाता का सम्मान करना, धर्मांतरण के बारे में जागरूक करना और नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र बनाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। एचएमएस के कई कार्यकर्ताओं की आरएसएस की 21 दिनों की 'ओटीसी ट्रेनिंग' गोरखपुर में हुई है। नागपुर में तीन वर्षीय ट्रेनिंग भी कई हिंदु स्वंय सेवकों ने ली है। वहां भी माहौल आरएसएस की शाखा वाला ही है। यूनिफॉर्म से लेकर शाखा में भगवा ध्वज को प्रणाम करने का तरीका और शाखा ख़त्म होने से पहले की प्रार्थना भी वही- 'नमस्ते सदा वत्सले...'। काठमांडू में एचएसएस के मुख्यालय का नाम केशव धाम है और दिल्ली में आरएसएस के मुख्यालय का नाम केशव कुंज। नेपाल में एचएसएस के राष्ट्रीय संघचालक और पूर्व पुलिस अधिकारी कल्याण कुमार तिम्सिना खुलकर स्वीकार कर चुके हैं कि हिन्दुत्व ही उनका लक्ष्य है। आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के फोटो एचएमएस के स्कूलों में लगे हैं। आरएएस की तरह वहां एचएसएस की बारह अनुषागिक संस्थाएं हैं।

ओली के तख्तापलट के पीछे कौन?

नेपाली पीएम ओली को घोषित तौर पर भारत विरोधी और चीन परस्त माना जाता है। इसलिए उनका तख्तापलट चीन की हार भी बताया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि कहीं केपी शर्मा ने सड? के रास्ते चीन-भारत से कारोबार के लिए उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे के संभावित उपयोग पर सवाल उठाकर चीन से दुश्मनी तो मोल नहीं ले ली थी? उन्होंने इस मसले पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पहली बार आंखे दिखाई थीं। हालांकि, यह क्षेत्र भारतीय सीमा के अंदर आता है और भारत का अभिन्न अंग है। इसके पहले नेपाल 2020 में भी लिपुलेख दर्रा , कालापानी और लिम्पियाधुरा को 1816 की सुगौली संधि का हवाला देकर अपना हिस्सा बता चुका है। बहरहाल ओली ने अमेरिका से मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमससी) के मार्फत 500 करोड़ का निवेश का करार भी किया । अमेरिका की कोशिश है कि नेपाल को चीनी विरोधी रणनीति (इंडोपेसिफिक स्ट्रेटिजी) का हिस्सा बनाया जाए। । शंघाई सम्मेलन के फौरन बादओली की 17 सितंबर में भारत की प्रस्तावित यात्रा भी शायद चीन को रास नहीं आई। हालांकि शंघाई सम्मेलन के पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी अगस्त में उनको न्यौता देने गए थे, क्योंकि भारत अपने पड़ोसी देशों से संबंध सुधारने की कवायद में जुटा है, जो चीन के प्रभाव में उसके खिलाफ खड़े हुए। मालदीव और श्रीलंका के साथ संबंध बहाल करने के साथ नेपाली पीएम को भारत बुलाना इसी कवायद का हिस्सा था। इसी बीच अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, बीजिंग और डीप स्टेट की भूमिका के बारे में मीडिया में खबरें आने लगी हैं।

मुख्यमंत्री ने किया आव्हान - नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें युवा

स्कूल टॉपर्स को प्रोत्साहन की स्कूटी विदेश में पढ़ाई के लिए मिलेगी मदद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छात्रों से कहा है कि वे ऐसी पढ़ाई करें जिससे जीवन में नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि छात्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लें। पढ़ाई के लिए अगर वे विदेश जाना चाहते हैं तो सरकार पूरी मदद करेगी। कक्षा 12वीं के 7832 टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी का उपहार दिया। इसके साथ ही बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन दिए जाने की योजना के तहत 61 करोड़ रुपए बैंक खाते में ट्रांसपर किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी संभव कदम उठा रहे हैं। इसी तरह मप्र में सुविधाएं दी जा रही है। हमारा प्रदेश अपनी प्रतिभाओं के बल पर ही जाना जाता है। आज दुनिया के कई विकसित देश तकनीक और नवाचार के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। अब जबकि स्वदेशी और आत्मनिर्भता का दौर है तब भारत के लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने भविष्य को लेकर किसी के मोहताज नहीं है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से राजनीति के क्षेत्र में भी आने का आव्हान किया।

छात्राओं को स्कूटी देने के बाद एक छात्रा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

सरकार छात्रों को यूनिफॉर्म, साइकिल, लैपटॉप और स्कूटी देने की पहल इसलिए कर रही है, ताकि युवाओं की उड़ान में कोई बाधा न हो। इस अवसर पर 20 हजार से अधिक बालिकाओं के खाते में स्टायपंड की 7 करोड़ की राशि भी ट्रांसफर की गई।

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप और पिछड़ा वर्ग एंव अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर भी उपस्थित रहेंगी। प्रदेश मे निःशुल्क ई-स्कूटी-आईसीईएस योजना शैक्षणिक सत्र 2022-23 से संचालित की जा रही हैं। इस योजना के अंतर्गत ऐसे छात्र-छात्राऐं पात्र होते हैं जिन्होंने प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग अन्तर्गत संचालित शासकीय हायर सेकेण्डरी शाला में टॉप किया हो।

20 हजार छात्राओं को स्टायपंड मिला

20 हजार से अधिक बालिकाओं के बैंक खातों में 7 करोड़ का स्टायपंड ट्रांसफर किया गया। उल्लेखनीय है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाईप योजना अंतर्गत छात्रावासों में निवासरत बालिकाओं को टी.एल.एम एवं स्टायपंड के लिए प्रति बालिका 3400 रुपए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड दौरा आज

बाढ़ प्रभावित इलाकों का सर्वे, मदद का देंगे भरोसा

देहरादून, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज शाम 4.15 बजे देहरादून स्थित जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और शाम 5 बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर ही अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री एयरपोर्ट पर चमोली, रुद्रप्रयाग व उत्तरकाशी के आपदा प्रभावितों से भी मुलाकात करेंगे। मौजूदा मानसून के दौरान अतिवृष्टि से उत्तराखंड को भारी नुकसान हुआ है। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम भी उत्तराखंड भेजी है। राज्य आपदा प्राधिकरण ने भी केंद्र सरकार को 5702 करोड़ रुपये की राहत राशि का प्रस्ताव भेजा है। आज प्रधानमंत्री के दौरे से उत्तराखंड को काफी उम्मीदें हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रधानमंत्री का जौलीग्रांट एयरपोर्ट स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए जौलीग्रांट व आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों को सुबह से तैनात कर दिया गया है।

धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांटेड मुनव्वर खान का कुवैत से प्रत्यर्पण

नईदिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से वांछित भगोड़े मुनव्वर खान का कुवैत से प्रत्यर्पण कराया है। वह बैंक ऑफ बड़ौदा से धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांछित था। सीबीआई की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक खान को आज कुवैत पुलिस की टीम की निगरानी में हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां सीबीआई की विशेष अपराध शाखा, चेन्नई की टीम ने उसे हिरासत में लिया। मुनव्वर खान पर साल 2011 में दर्ज प्राथमिकी में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप है। वह बैंक ऑफ बड़ौदा को चूना लगाने के बाद कुवैत भाग गया था और अदालत ने उसे घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।

भारत-पाक मैच पर प्रतिबंध की याचिका पर सुनवाई से इनकार

नईदिल्ली। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच पर रोक लगाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने 11 सितंबर को कहा कि, 'मैच तो होना ही है. इस पर सुनवाई नहीं होगी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

शिक्षित महिलाएं आत्मनिर्भर होती हैं और अपने जीवन से जुड़े फैसले ले सकती हैं

जितना ज्यादा पढ़ेंगी लड़कियां, उतने कम पैदा होंगे बच्चे सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की ताजा रिपोर्ट में लगी मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी

शिक्षा के जरिए जनसंख्या को कंट्रोल की बात एक बार फिर साबित हुई है। हाल ही में जारी की गई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की रिपोर्ट इस पर मुहर लगाती है। इसमें पता चला है कि लड़कियां जितनी ज्यादा पढ़ी लिखी होती हैं, उनका टोटल फर्टिलिटी रेट (ज्ञस्नक्र) यानी बच्चे पैदा करने दर में गिरावट आती है। जैसे-जैसे महिलाओं की पढ़ाई का स्तर बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके द्वारा जन्म देने वाले बच्चों की संख्या कम हो जाती है। यह साफ इशारा करता है कि महिलाओं की शिक्षा ही एक ऐसा साधन है, जिससे जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन और सामाजिक विकास संभव हो सकता है। इस

रिपोर्ट में रोचक आंकड़े सामने आए हैं। एसआरएस 2023 के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं की शिक्षा और उनके द्वारा जन्म दिए गए बच्चों की संख्या में सीधा संबंध है। जिन ग्रामीण महिलाओं ने कभी स्कूल नहीं देखा, उनका टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.2 है। वहीं जिन महिलाओं ने केवल प्राइमरी या मिडिल तक पढ़ाई की, उनका टीएफआर 2.2 और 2 के आसपास ही है। जैसे ही शिक्षा का स्तर कक्षा 10वीं, 12वीं या उससे ऊपर होता है, तब यह आंकड़ा 1.8 और 1.6 हो जाता है। यह दर्शाता है कि पढ़ी-लिखी महिलाएं कम बच्चे पैदा करती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर महिलाओं की एजुकेशन का स्तर बढ़ जाए, तो इससे पॉप्युलेशन कंट्रोल और फैमिली प्लानिंग में मदद मिल सकती है। शिक्षित महिलाएं आत्मनिर्भर होती हैं और उन्हें अपने जीवन से जुड़े फैसले लेने की समझ होती है। वे नौकरी कर सकती हैं और अपनी इच्छाओं और स्वास्थ्य के बारे में सोच सकती हैं। जब महिलाएं अपने फैसले खुद लेती हैं, तो वे तय कर सकती हैं कि उन्हें कितने बच्चे चाहिए और कब चाहिए। इससे फैमिली प्लानिंग आसान होती है और जनसंख्या पर नियंत्रण भी बना रहता है। पढ़ने वाली बच्चियों की शादी देर से होती है। इसका असर यह होता है कि बच्चे भी देर से होते हैं।

सोच बदलती है शिक्षा

पढ़ी-लिखी महिलाओं को कॉन्ट्रासेप्टिव मेथड, पीरियड्स और रिप्रोडक्टिव हेल्थ से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी ज्यादा होती है। वे मॉडर्न कॉन्ट्रासेप्टिव मेथड को अपनाने में हिचकती नहीं हैं और परिवार नियोजन में जागरूक होती हैं। इससे मातृ मृत्यु दर भी कम होती है और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। शिक्षा का एक और बड़ा फायदा यह है कि यह सोच बदलती है। प्राथमिकता यह नहीं रह जाती कि ज्यादा बच्चे हों, बल्कि वे चाहते हैं कि बच्चे कम हों लेकिन उन्हें अच्छी शिक्षा, सेहत और जीवन मिल सके। रिपोर्ट यह साफ साबित करती है कि अगर हमें जनसंख्या नियंत्रण, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास चाहिए, तो सबसे जरूरी लड़कियों की शिक्षा है।

कहने को पॉश इलाका, लेकिन दिक्कतें कई

अरेरा कॉलोनी में सीवर लाइन खुदाई से बढ़ी अव्यवस्था, रहवासी परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अरेरा कॉलोनी ई-4 स्थित 10 नंबर मार्केट के आसपास का क्षेत्र शहर का व्यस्त और पॉश इलाका है। रोजाना हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं। इसके अलावा कॉलोनी में स्कूल, बैंक और कई कार्यालय भी हैं। ऐसे में खराब सड़क और अधूरी खुदाई का असर आम जनजीवन पर सीधा पड़ रहा है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कंपनी को काम करने के बाद रिफिल करने के आदेश दिए हैं। रेस्टोरेशन हो रहा है।

आसपास रहने वाले सैकड़ों रहवासी इन दिनों खराब सड़कों और जगह-जगह खुदाई से भारी परेशानी झेल रहे हैं। हालात यह हैं कि लोगों को घरों से निकलने तक में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में सड़क की हालत और बिगड़ चुकी है, जिससे गड्ढों में पानी भर गया है और यह जगह छोटे-छोटे तालाब जैसी नजर आती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम और संबंधित विभागों ने कई जगह पाइपलाइन डालने और मरम्मत के नाम पर सड़क की खुदाई तो कर दी, लेकिन उसे दोबारा दुरुस्त करने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं निभाई। इससे सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे कीचड़ की समस्या पैदा कर रहे हैं। वाहन चालकों को आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पैदल चलने वाले फिसल रहे हैं।

अरेरा कॉलोनी में बीते कई दिनों से सीवर लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। लेकिन सही तरीके से रेस्टोरशन नहीं होने से महिलाएं और बच्चे परेशान हो रहे हैं। इस पर गंभीरता से काम हो। हर जगह खुदाई होने से रहवासी परेशान हो रहे हैं। पाइप लाइन छोटी और नए स्थान पर लाइन डालने से परेशानी बढ़ रही है। आए दिन एक्सीडेंट और वाहन फंसने की घटनाएं हो रही है

बीते दिनों गड्डे में इस तरह गाड़ी फंस गई थी।

आयुक्त से हो चुकी है शिकायत

इस पर भोपाल निगम आयुक्त से लिखित में रहवासियों ने शिकायत की है। अरेरा कॉलोनी में अमृत योजना 2.0 के तहत चल रहे सीवर लाइन के कार्य का टेंडर टाटा कंपनी को दिया गया है, लेकिन कंपनी ने इसे घोर लापरवाही से कर रही है। इससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बारिश के दिनों में खुदाई कर छोड़ी गई सड़कों से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों का घर से बाहर निकलना बहुत ही मुश्किल हो रहा है। सीवेज की समस्या को लेकर पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, सिटी इंजीनियर के साथ बैठक कर हल निकाला है। अब पुराने स्थान पर ही लाइन डाल रहे हैं। रेस्टोरेशन कराया जाएगा। करोड़ों रुपए की इस योजना को टाटा कंपनी और नगर-निगम की लापरवाही व मिलीभगत की भेंट चढ़ा दिया गया है। जनता का टैक्स का पैसा बर्बाद किया जा रहा है।

बीते कुछ माह से रहवासियों को हो रही परेशानी

रहवासियों का कहना है यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत और खुदाई वाले हिस्सों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उनका कहना है कि नगर-निगम कर और टैक्स तो समय पर वसूलता है, लेकिन बुनियादी सुविधाएं देने में हमेशा पीछे रहता है। लोगों की मांग है कि तुरंत कार्रवाई करके खुदी सड़क को समतल और सही कराया जाए।

पानी भरने से अंडरब्रिज बन जाता है तालाब

पंप लगाकर निकाला जाता है पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के रतनपुर सड़क और मिसरोद अंडरब्रिज में हर बारिश के बाद जलभराव आम समस्या बन चुकी है। रतनपुर और आसपास के इलाकों के हजारों रहवासी रोजाना इस परेशानी से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि पानी भरने के कारण लोगों को पांच से आठ किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ता है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। बारिश में अंडरब्रिज तालाब का रूप ले लेता है। जिससे निकलना संभव नहीं हो पाता।

इंतजार करने के बाद दूसरे रास्ते से करते हैं आवाजाही: जलभराव की स्थिति में दोपहिया वाहन तो दूर, चारपहिया वाहन भी उसमें उतरने की हिम्मत नहीं कर पाते। कई बार वाहन बीच पानी में बंद हो जाते हैं और लोग घंटों फंसे रहते हैं। मजबूरी में लोग पहले पानी निकलने का इंतजार करते हैं। पानी नहीं निकलने पर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेते हैं। रहवासी बताते हैं कि इस समस्या को लेकर रेलवे सहित अनेक प्लेटफॉर्म पर कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। हर बार सिर्फ अस्थायी पंप लगाकर पानी निकाला जाता है, जो समस्या का हल नहीं है। बारिश होते ही हालात फिर जस के तस हो जाते हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह अंडरब्रिज शहर के इस हिस्से का मुख्य मार्ग है और

रोजाना हजारों लोग इसे पार करते हैं। स्कूल, कॉलेज और दफ्तर जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत उठानी पड़ रही है। बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचाना मुश्किल हो गया है। वहीं मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी भारी दिक्कतें सामने आती हैं। रतनपुर के रहवासियों का कहना है कि अफसर गंभीरता दिखाने के बजाय केवल आश्वासन देने तक सीमित हैं। शिकायत के बाद रेलवे विभाग जागता है, इस पर स्थायी रूप से काम किया जाना चाहिए। आपातकाल में यह बड़ी परेशानी है। अंडरब्रिज में पंप हाउस की स्थायी व्यवस्था की जाए।

हंगामे के बाद अब स्पेशल बीएड के विद्यार्थियों की अक्टूबर-नवंबर में कराएंगे उपस्थिति पूरी

परीक्षा आयोजित कर 10 दिसंबर के पहले जारी किए जाएंगे रिजल्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोज विवि की स्पेशल बीएड की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। इसमें 80 फीसदी विद्यार्थी सिर्फ इसलिए परीक्षा नहीं दे पाए। क्योंकि उनकी एक माह की कक्षाओं में उपस्थिति 75 फीसदी से कम थी। जबकि परीक्षा देने आए सभी विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए थे। ऐसे में इन स्पेशल बीएड के विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल नहीं होने के कारण भोज मुक्त विश्वविद्यालय में जमकर हंगामा किया। हंगामा देख विवि प्रबंधन ने सभी अधिकारियों की बैठक तक आयोजित कराई। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि जिन विद्यार्थियों की उपस्थित कम है। उनकी अक्टूबर-नवंबर में अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर उपस्थिति पूरी कराई जाएगी। उपस्थिति पूरी होने के बाद विद्यार्थियों की परीक्षाएं दिसंबर में कराई जाएंगी। अब उक्त विद्यार्थियों की कक्षाएं अक्टूबर-नवंबर में आयोजित की जाएगी और दस दिसंबर के पहले रिजल्ट जारी कर दिए जाएंगे।

फार्म जमा कर प्रवेश पत्र जारी किए

विद्यार्थियों का आरोप है कि जब उनकी उपस्थिति पूरी नहीं थी, तो उनसे फीस लेकर परीक्षा फार्म जमा कराकर प्रवेश पत्र क्यों जारी किए गए। प्रवेश पत्र जारी होने के बाद विद्यार्थियों को परीक्षा से वंचित नहीं किया जाता है। जब उपस्थिति पूरी नहीं थी, तो उनके परीक्षा फार्म क्यों खोले गए। इसी बात को लेकर विद्यार्थियों ने परीक्षा हाल के बाहर खड़े होरक विरोध प्रदर्शन करते हुए हंगामा कर दिया।

साक्षात्कार आज से शुरू

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि (आरजीपीवी) अपने विभिन्न विभागों में अतिथि व्याख्याताओं (गेस्ट फैकल्टी) की भर्ती करने गुरुवार और शुक्रवार को साक्षात्कार कराएगा। आरजीपीवी के स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ अप्लाइड मैनेजमेंट और यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक में भर्ती करेगा। उम्मीदवारों ने बुधवार को ऑनलाइन गूगल फॉर्म लिंक से आवेदन कर दिए हैं। चयन वॉक-इन-इंटरव्यू के जरिए होगा। स्कूल ऑफ आईटी में ह्यूमैनिटीज और सीएसई/आईटी (एआई, मशीन लर्निंग, और डेटा साइंस), यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक में सिविल (ट्रांसपोर्टेशन, जियोटेक, कंस्ट्रक्शन हाइड्रोपावर), सीएसई, इलेक्ट्रिकल (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स), केमिस्ट्री विषयों में गेस्ट फैकल्टी के लिए साक्षात्कार लिए जाएंगे।

दुर्गा उत्सव की तैयारी

भोपाल। पुराने शहर में दुर्गा उत्सव की तैयारियां पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ शुरू हो चुकी हैं। मोहल्लों और चौक-चौराहों पर भव्य पंडालों की सजावट जोरों पर है। कारीगर दिन-रात जुटकर माँ दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। शहर के पारंपरिक इलाकों में दुर्गा प्रतिमाओं की रचना में विशेष नजाकत और शिल्पकला देखने को मिल रही है। कलाकार बारीकी से माँ दुर्गा के स्वरूप को गढ़ते हुए उन्हें मनमोहक श्रृंगार और रंगों से सजा रहे हैं।

अनूठे मॉडल में दिखती है बच्चों की कल्पनाशीलता

बच्चों का बनाया प्रज्ञान भेज सकता है डाटा भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए एक निजी स्कूल के बच्चों ने प्रज्ञान रोवर की प्रतिकृति बनाने में सफलता हासिल की है। यह रोवर रियल टाइम डाटा भी भेज सकता है। जरीन नफीस, मदीहा खान, वंशिका कुकरेजा, तनिष्क पवार, जलज करेन, यश कोली ने एक कंपनी की मदद से इसे तैयार किया।

सौर ऊर्जा से होता है संचालित: यह रोवर सौर ऊर्जा से संचालित होता है और तापमान, वायु प्रदूषण स्तर, नमी, धुएं आदि जैसे रियल-टाइम डेटा सीधे मोबाइल उपकरणों पर भेजने में सक्षम है। यह रोवर पहाड़ी क्षेत्रों, पथरीली सतहों और रेतीले इलाकों में भी काम कर सकता है।

विद्यार्थियों ने निदेशक जी पी शर्मा के मार्गदर्शन में इसे तैयार किया।

एमपी को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में यह अवॉर्ड केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया। दिल्ली के ली मेरिडियन में हुए इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में यह प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है। पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा, यह सम्मान मध्यप्रदेश की जनता और यहां की संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। प्रदेश की धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोकपरंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। यह अवॉर्ड हमें और ऊर्जा देता है कि हम पर्यटन को न केवल राज्य की पहचान, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता का मज़बूत साधन भी बनाएं। अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह अवॉर्ड हमारी टीम की साझा मेहनत और विजन का परिणाम है। हमारा लक्ष्य सिर्फ नए पर्यटन स्थल बनाना नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना, महिलाओं को नए अवसर प्रदान करना, हमारी संस्कृति और परंपराओं को संजोना, प्राकृतिक धरोहर को बचाना है।

शहर के हर कोने में डांडिया की थाप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नवरात्रि आने वाली है और ऐसे में शहर के हर कोने में गरबा के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि गरबा खेलते-खेलते आप मौज-मस्ती के साथ खुद को फिट भी बना सकते हैं? जी हां, गरबा अब सिर्फ एक डांस नहीं रहा, यह एक फुल-ऑन वर्कआउट बन चुका है। मगर ध्यान रखें, अगर इसे वर्कआउट की तरह ट्रीट कर रहे हैं तो बॉडी को भी उसी तरह तैयार करना होगा। गरबा खेलने से पहले शरीर को फ्यूल देना उतना ही जरूरी है, जितना कार में पेट्रोल डालना। बिना सही डाइट के एनर्जी जल्दी खत्म हो सकती है। इसलिए हल्की और एनर्जी-बूस्टिंग डाइट लें, जिससे गरबा के दौरान आपकी एनर्जी बनी रह सके। न्यूट्रशनिस्ट के अनुसार, गरबा एक सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज है। इससे दिमाग का लेफ्ट और राइट ब्रेन दोनों को सक्रिय करता है। गरबा के दौरान एनर्जी के लिए जरूरी है कि सही पोषण लें। अपने खाने में तीन कटोरी दाल जरूर शामिल करें। इससे आपको एनर्जी मिलेगी। साथ ही रोज ड्राइफ्रूट जरूर खाएं। ड्राइफ्रूट में 8 बादाम, 3 अखरोट और 1

चम्मच पंपकिन सीड्स को रात में भिगो दें और फिर इसे खाएं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि गरबा से पूरे शरीर की एक्सरसाइज होती है और इसके फास्ट मूव फैट को बर्न करते हैं। गरबा से फिटनेस के साथ ही मेंटल हेल्थ भी ठीक होती है।

मेट्रो एंकर

सर्वाधिक सीएनजी-ईवी सहित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में इंदौर बेहतर

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में छठवें पायदान पर आया भोपाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ भारत प्रतियोगिता के रिजल्ट जारी होने के बाद केंद्र सरकार ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 के रिजल्ट भी जारी कर दिए हैं। मप्र से एक बार फिर इंदौर शहर ने बाजी मारी है। सबसे साफ हवा उपलब्ध कराने वाला इंदौर देश का पहला शहर बन गया है। भोपाल छठवें पायदान पर आया है। इंदौर प्रतियोगिता में 200 अंक पर है वहीं भोपाल इस रेस में 191 अंक तक ही पहुंच सका। भोपाल नगर निगम और स्मार्ट सिटी कंपनी की तरफ से प्रतियोगिता में शामिल होने के बाद 191 नंबर सेल्फ एसेसमेंट फॉर्मेट में दर्ज किए गए थे। इंदौर, जबलपुर ने 200 एवं अंक सेल्फ एसेसमेंट में दर्ज किए थे। केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की टीम ने सर्वेक्षण करने के बाद भोपाल शहर को पूरे 191 नंबर प्रदान किए। इंदौर को भी 200 में से 200 अंक जबकि जबलपुर को 200 में से 199 अंक मिले। तकनीकी राउंड में भोपाल शहर अपनी श्रेणी में अव्वल माना गया लेकिन ओवरऑल कंपटीशन में इंदौर एवं जबलपुर का पहला एवं दूसरा रैंक आया। वहीं अधिकारियों का कहना है कि भोपाल को प्रतियोगिता में शत प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। केंद्र की ओर से राजधानी को प्रतिवर्ष बेहतर कामों के लिए इंसेंटिव दिए जाते हैं। इसकी सहायता से हम और बेहतर करने प्रयासरत हैं।

इन बिंदुओं पर हुआ मुकाबला

- सर्वाधिक सीएनजी एवं इलेक्ट्रिक वाहन संख्या भोपाल के मुकाबले इंदौर में अधिक संख्या में दर्ज की गई। भोपाल शहर में अभी भी 18 लाख से ज्यादा गाड़ियां चल रही हैं लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा गाड़ियां पेट्रोल और डीजल संचालित ही हैं।
- भोपाल के मुकाबले इंदौर शहर में सबसे ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र में क्लीन फ्यूल जैसे बायोगैस, ग्रीन गैस, इथेनॉल जैसी श्रेणी के ईंधन उद्योग चलाने के लिए इस्तेमाल होते हैं।
- मैकेनिकल स्वेपिंग मशीनिंग में भोपाल नगर निगम के पास 10 की संख्या में वाहन मौजूद है जबकि इंदौर के पास दोगुने से ज्यादा हैं।
- सड़क और फुटपाथ को पेविंग ब्लॉक लगाकर धूल रहित बनाने में भी इंदौर आगे है। भोपाल की कई सड़कों के किनारे अभी भी टूटे-फूटे नजर आते हैं जिनकी मिट्टी धूल की वजह बनती है।
- सीएनडी एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए इंदौर नगर निगम ने चार से ज्यादा संयंत्र स्थापित किए हैं। भोपाल नगर निगम का एक प्लांट कोलार के पास संचालित है।

अब फार्मेसी पंजीयन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

भोपाल। फार्मेसी पंजीयन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है, जिससे अभ्यर्थियों को घर बैठे पंजीयन प्रमाणपत्र मेल और डिजिलॉकर से उपलब्ध होंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद अब पूरी तरह डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों के आवेदन अपूर्ण हैं। प्राइवेट विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार के लिए सूचित किया जाए। संस्थानों की लापरवाही पर मान्यता एवं एफिलिएशन पर कार्रवाई की जाएगी। भोपाल में हुई बैठक में जून से अगस्त 2025 तक की कार्य-प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें 3500 से अधिक नए पंजीयन पूरे हुए। 5800 आवेदन प्रक्रिया में लंबित रहे और 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची न मिलने से अटके रहे। नई प्रणाली में समग्र आईडी, डिजिलॉकर, विवाह एवं निवास प्रमाणपत्र और एफडीए का एकीकरण किया गया है। अब स्लॉट बुकिंग या परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने डीईओ को दिए निर्देश, काउंसलिंग से चुन सकेंगे स्कूल

जीरो एडमिशन वाले स्कूल के टीचर्स के होंगे तबादले

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के जिन विद्यालयों में चालू शिक्षा सत्र में एक भी विद्यार्थी का एडमिशन नहीं हुआ है, ऐसे विद्यालयों के शिक्षकों को अब उन विद्यालयों में पदस्थ किया जाएगा जहां टीचर्स की कमी है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने काउंसलिंग के जरिए ऐसे टीचर्स को शाला विकल्प चुनने का मौका देने का फैसला लिया है।

काउंसलिंग की कार्यवाही 12 सितंबर को की जाएगी। इसमें सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को ताकीद किया है कि जो भी कार्यवाही की जाए वह पूरी पारदर्शिता और शुचिता के साथ होनी चाहिए। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश में कहा है कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज जानकारी के अनुसार जिलों में शून्य नामांकन वाले विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों को उन विद्यालयों में पदस्थ किया जाएगा जहां शिक्षकों की कमी है। इसी तारतम्य में शून्य नामांकन (नो न्यू एडमिशन) वाले विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों की जानकारी गूगल शीट जीरो एनरोलमेंट स्कूल टीचर डेटा फॉर काउंसलिंग पर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को शेयर की गई है। इसके अलावा अगर किसी स्कूल के शिक्षक छूटे हों तो उनकी एंट्री गूगल शीट पर की जाना है।

कल दोपहर होगी काउंसलिंग

इन शिक्षकों की काउंसलिंग शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से की जानी है। इसलिए सभी शिक्षकों को 12 सितम्बर को तय स्थान पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर शाला विकल्प का चयन करना है। ऐसे शिक्षक जो काउंसलिंग में उपस्थित नहीं होंगे या शाला विकल्प चयन नहीं करेंगे उनकी पदस्थापना जिले में किसी भी स्कूल में की जा सकेगी।

जिला स्तर पर काउंसलिंग सीनियरिटी के आधार पर की जाएगी। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी ग्रेडेशन लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग करेंगे यानी सीनियर टीचर को शाला विकल्प का मौका पहले दिया जाएगा। काउंसलिंग में मौजूद शिक्षकों द्वारा चयन किए गए विकल्प का सहमति पत्र लेकर जिला शिक्षा कार्यालय में रिकार्ड रखा जाएगा। काउंसलिंग के बाद जिला शिक्षा अधिकारी गूगल शीट की जानकारी लोक शिक्षण संचालनालय को भेजेंगे। इसमें समय सीमा और पारदर्शिता रखने के लिए खासतौर पर ताकीद किया गया है।

ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन करें आवेदन

बिजली के धारा 126 के मामलों में छूट का मौका

भोपाल। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के उपभोक्ताओं के लिए धारा 126 में लंबित प्रकरणों में लोक अदालत की तर्ज पर छूट प्रदान करने का अवसर उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए उपभोक्ताओं को ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन करने की सुविधा दी गई है। आवेदन 01 सितंबर से शुरू होकर 30 सितंबर तक लिए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के लिए उपभोक्ता कंपनी पोर्टल पर जाकर प्रदर्शित क्वीक लिंक टैब में Rebate As lokadalat in section 126 पर क्लिक कर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। कंपनी के portal.mpcz.in पोर्टल पर कंज्यूमर आईडी की प्रविष्टि करते ही उपभोक्ता को धारा-126 में दर्ज लंबित प्रकरण प्रदर्शित होगा। उपभोक्ता को लोक अदालत की तर्ज पर धारा-126 में छूट प्राप्त किए जाने हेतु ÷उपभोक्ता के परिसर या अन्य परिसर पर संयोजन के विरूद्ध विद्युत देयक की बकाया राशि नहीं है तथा विचाराधीन प्रकरण पर धारा 127 के अंतर्गत गठित अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष या किसी अन्य न्यायालय के समक्ष कोई अपील लंबित नहीं है न ही निर्णित है÷ सत्यापित कर सबमिट करना होगा। इसके बाद उपभोक्ता ऑनलाइन भुगतान का विकल्प चयन कर भुगतान कर सकते हैं। इसी प्रकार ऑफलाइन आवेदन हेतु उपभोक्ताओं के लिए नजदीकी विद्युत वितरण केन्द्र/जोन पर निर्धारित प्रारूप में आवेदन करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

लोक अदालत की तर्ज पर मिलेगी छूट

कंपनी ने कहा है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के लंबित प्रकरणों में लोक अदालत की तर्ज पर छूट प्रदान कर प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माह के दौरान ही किया जाएगा। लोक अदालत की प्रक्रिया के अनुरूप निर्धारित मापदंडों के अधीन 10 लाख रूपए तक की सिविल दायित्व की राशि के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक गैर घरेलू व 10 अश्वशक्ति तक के औद्योगिक श्रेणी के लंबित प्रकरणों का आवेदन संबंधित उप महा प्रबंधक को दिया जाकर, आकलित राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने पश्चात प्रत्येक 6 माही चक्रवर्ती दर अनुसार 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर, 100 फीसदी की छूट दी जाएगी।

भोपाल में मछली कनेक्शन की कान्हासैया और अनंतपुरा में जांच

66 साल पुराना रिकॉर्ड खंगाल रहा अमला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल में एक और कॉलोनी में मछली कनेक्शन की पड़ताल शुरू हो गई है। कान्हासैया और अनंतपुरा के 57 खसरों की जांच की जा रही है। तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी वर्ष 1959 यानी 66 साल पुराने रिकॉर्ड को भी खंगाल रहे हैं।

हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि 10 दिन में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अनंतपुरा और कान्हासैया की आनंद लेक सिटी कॉलोनी को लेकर एसडीएम सोनकिया को शिकायत की गई थी। इसमें बताया गया कि कॉलोनी सरकारी जमीन पर बसाई गई है। इसमें मछली कनेक्शन का भी शक है। वहीं, एक ही

समुदाय को प्लॉट बेचे गए हैं। कॉलोनी डैम से सटे खसरा नंबर 31 से 47 तक बनी है। यह जमीन 1959 से सिंचाई विभाग के सरकारी खसरों में दर्ज है। करीब 18 एकड़ में कॉलोनी डेवलप कर 170 से ज्यादा प्लॉट बेचे गए हैं। कॉलोनी में सीसी रोड भी बनाई गई है।

इन खसरों की जांच

अनंतपुरा के खसरा नंबर- 79, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 101 और 102। ये खसरे साल 1959 में शासकीय भूमि में दर्ज होना सामने आया है।

अनंतपुरा में ही खसरा नंबर- 31, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 58, 98, 99, 100, 103, 104, 105 और पूर्व के खसरे नंबर-635/498, 533, 534, 535, 536, 537/2/2, 537/2/1, 537/1, 639/539, 639/539/2 का साल 1959 से लेकर वर्तमान तक की स्थिति में जांच कराई जा रही है। यही पर कॉलोनी का निर्माण सामने आया है।

कानासैया गांव के पूर्व के खसरा नंबर- 111, 445, 512, 593/3, 596, 690/1, 691, 692, 696, 679/1, 698 और वर्तमान के खसरे नंबर-728, 864, 569, 582, 535, 530, 190 की साल 1959 से लेकर वर्तमान तक की स्थिति की जांच की मांग की गई है।

मध्यप्रदेश को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रदान किया अवार्ड

भोपाल। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान नई दिल्ली के ली मेरिडियन में भव्य इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की जनता और यहां की संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन को विकास की धुरी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश की धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोक-परंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। यह अवॉर्ड हमें और ऊर्जा देता है कि हम पर्यटन को न केवल राज्य की पहचान, बल्कि रोज़गार और आत्मनिर्भरता का मज़बूत साधन भी बनाएं।

दोस्ती के नाम पर छुरा

अंतरराष्ट्रीय राजनीति भी अब बॉलीवुड की मसाला फिल्मों जैसी हो चली है। यहां भी नायक मुस्कुराकर गले लगता है, और अगले ही पल पीठ में छुरा घोंप देता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस कला में माहिर निकले। सोशल मीडिया पर बार-बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'माय गुड फ्रेंड' बताने वाले ट्रंप, असल में भारत की जेब पर 100 प्रतिशत टैरिफ का वार करने की तैयारी कर रहे हैं। दोस्ती की मिठास के पीछे छिपा यह कड़वा सच बताता है कि वैश्विक राजनीति में आई लव यू, बट...वाली रणनीति खूब चलती है। ट्रंप का तर्क बड़ा सीधा है- जब तक भारत और चीन रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करते, तब तक दोनों पर 100 प्रतिशत टैरिफ थोप दो। मतलब साफ है- 'तेल नहीं छोड़ोगे, तो व्यापार निचोड़ देंगे।' दिलचस्प बात यह है कि चीन रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदता है, लेकिन टैरिफ का डंडा भारत पर ज्यादा कसकर बरस रहा है। चीन पर जहां 30 प्रतिशत टैक्स है, भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत तक का बोझ लादा जा चुका है। यानी दोस्त पर सख्ती और प्रतिद्वंद्वी पर नरमी-इसे कहते हैं कूटनीति की 'ट्रंपकारी'। कुछ दिनों पहले ही भारत, चीन और रूस के नेताओं की एससीओ शिखर सम्मेलन में मुलाकात हुई। तस्वीरें देखकर ट्रंप को शायद ऐसा लगा कि यह दोस्ती की फोटो नहीं बल्कि साजिश की फोटो है। उन्होंने टिप्पणी भी कर डाली कि भारत और रूस अब चीन के हाथों निकल गए। नतीजा? तुरंत ही टैरिफ की धमकी। लेकिन हफ्ते भर बाद वही ट्रंप ट्विटर पर लिखते हैं- 'मोदी माय गुड फ्रेंड।' यह वैसा ही है जैसे कोई आपके घर का दरवाजा तोड़कर घुस आए और फिर बोले- 'भाई, कॉफी पिला दो।' यह पूरी कहानी हमें एक पुराना मुहावरा याद दिलाती है- 'दुश्मन से सावधान रहना आसान है, मुश्किल तो तब होती है जब दोस्त ही छुरा घोंपे।' अमेरिका की दोस्ती पर भरोसा करना वैसा ही है जैसे बिच्छू से उम्मीद करना कि वह डंक नहीं मारेगा। भारत को अब यह समझ लेना चाहिए कि वॉशिंगटन की मुस्कानें असल में व्यापारिक कैलकुलेटर हैं। आज दोस्ती की बातें, कल टैरिफ की मार-यही असली अमेरिकी समीकरण है। इसलिए भारत के लिए बेहतर यही होगा कि वह अपने रिश्तों की गाड़ी सिर्फ एक पटरियों पर न दौड़ाए। क्योंकि अगर अमेरिका जैसा दोस्त हो, तो दुश्मनों की जरूरत ही क्या है?

सुविचार

सच्चे शिक्षक वे हैं जो हमें अपने लिए सोचने में मदद करते हैं।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

निशाना

'स्मार्टनेस' के दम पर...

सतीश चंद्र श्रीवास्तव

वर्षों से आती-जाती
बिजली को,
'स्मार्ट मीटर' के सहारे
स्मार्ट बना रहे हैं,
साथ ही उपभोक्ताओं को
ये बता रहे हैं-
अगर, शोरूम आकर्षक
हो तो ध्यान,
बेतरतीब गोडाउन
से भटक जाता है,
अक्सर, ग्राहक शोरूम की,
चिकनाई पर फिसल जाता है।
इसी सकारात्मक सोच के
चलते, स्मार्ट मीटर तेजी से
लगाए जा रहे हैं,
तमाम बहानों से
आने-जाने वाली,
मेंटीनेंस के नाम पर हर दिन
चकमा देने वाली,
बिजली के हाव-भाव,
स्मार्टनेस के दम पर
चमकाए जा रहे हैं,
उल्टे-सीधे बिल,
पकड़ाए जा रहे हैं।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को क्यों नहीं पूरा होने देना चाहती कांग्रेस?

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यहाँ राष्ट्रीय महत्व की किसी भी योजना पर राजनीतिक बहस इतनी तेज हो जाती है कि असली तथ्य पीछे छूट जाते हैं और जनता के सामने आधे-अधूरे सच पहुंचते हैं। ग्रेट निकोबार की समग्र विकास परियोजना इसका ताजा उदाहरण है। यह परियोजना केवल एक बंदरगाह या हवाई अड्डा नहीं है, इससे बहुत आगे भारत की समुद्री सुरक्षा, वैश्विक व्यापार में भागीदारी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। किंतु इसे लेकर कांग्रेस बार-बार शंका और भय का वातावरण बनाकर जनता को यह जताने की कोशिश कर रही है कि मानो सरकार देश और समाज को किसी बड़े संकट की ओर धकेल रही है।

केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भारत की सुरक्षा के एक मजबूत किले के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। स?वभाविक है कि इस दिशा में ग्रेट निकोबार परियोजना एक 'गेमचेंजर' साबित हो सकती है। इसके अंतर्गत गैलेथिया खाड़ी में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, 300,000 से 400,000 लोगों के लिए एक नियोजित टाउनशिप, 450 एमवीए क्षमता वाला गैस और सौर आधारित पॉवर प्लांट और सड़कों-जलगृहों का नेटवर्क तैयार किया जाना है। नीति आयोग के नेतृत्व में और एएनआईआईडीसीओ के माध्यम से चल रही इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 81,000 करोड़ रुपये है।

आज रणनीतिक दृष्टि से ग्रेट निकोबार का महत्व किसी से छिपा नहीं है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी छोर और सिक्स डिग्री चैनल के पास स्थित है। दुनिया के 30 से 40 प्रतिशत समुद्री व्यापार जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं और चीन की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भी यहीं से आता है। यदि भारत इस क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति दर्ज करता है तो हिंद महासागर में बीजिंग की विस्तारवादी 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति को सीधी चुनौती मिलेगी। एक ओर चीन ग्वादर, हंबनटोटा और क्याउकप्यू जैसे बंदरगाहों में निवेश करके हिंद महासागर में घेराबंदी कर रहा है, तो दूसरी ओर भारत का यह कदम स्वाभाविक रक्षा प्रतिक्रिया है। जोकि पूरे हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। नौसैनिक दृष्टि से भी यह योजना दूरगामी है। प्रस्तावित हवाई अड्डा नागरिक और सैन्य, दोनों उपयोग के लिए होगा। यह भारत की एकमात्र त्रि-सेवा कमान–अंडमान और निकोबार कमान को तत्काल तैनाती और निगरानी की नई क्षमता देगा। नौसेना के युद्धपोत, एयर फोर्स के विमान और थलसेना की लॉजिस्टिक सप्लाई इस द्वीप से तेजी से संचालित की जा सकेंगी। यह केवल रक्षा और व्यापार नहीं, बल्कि मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन का भी केंद्र बनेगा।

वस्तुतः आर्थिक दृष्टि से यह परियोजना भारत के लिए वरदान है। आज भारत के कंटेनर जहाजों को सिंगापुर या कोलंबो होकर गुजरना पड़ता है। इस पर हर साल लगभग 1800 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ग्रेट निकोबार पर बनने वाला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट यह निर्भरता खत्म कर देगा। इसकी क्षमता पहले चरण में 4 मिलियन टीईयू होगी और 2050 तक यह 16 मिलियन टीईयू तक पहुँच सकती है। यह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाएगा, विदेशी मुद्रा की बचत करेगा और हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करेगा। इसके साथ ही इस परियोजना से लगभग ढाई लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, शिक्षा और स्वास्थ्य के नए अवसर खुलेंगे। लेकिन कांग्रेस इस योजना को ÷दुस्साहस÷ बताकर आदिवासी अधिकारों और पर्यावरणीय खतरे का मुद्दा उठा रही है।

सोनिया गांधी ने हाल ही में एक लेख में चेतावनी दी कि यह परियोजना शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों के अस्तित्व के लिए संकट है और इससे लाखों पेड़ काटे जाएंगे। जयराम रमेश ने पेड़ों की संख्या 8.5 लाख से बढ़ाकर 32 से 58 लाख तक बताई और इसे पर्यावरणीय विनाश कहा। राहुल गांधी ने जनजातीय मामलों के मंत्री को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन की बात उठाई। इन आरोपों में सच्चाई कितनी है, यह अलग बहस हो सकती है। पर इससे जुड़ा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक का विशेष पैकेज रखा गया है। किसी भी जनजातीय परिवार को जबरन विस्थापित नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका सुधारने के लिए योजनाएँ हैं। द्वीप के 82 प्रतिशत क्षेत्र को अब भी संरक्षित रखा जाएगा। पर्यावरण संरक्षण और पुनर्वनीकरण के लिए 30 वर्षों में 9,162 करोड़ रुपये का प्रावधान है। समुद्री जीवों, प्रवाल भित्तियों और लेदरबैक कछुए तक के संरक्षण हेतु वैज्ञानिक उपाय तय किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह परियोजना विकास और पर्यावरण संरक्षण, दोनों के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगी। क्या कांग्रेस इस बात से डर रही है कि ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रोजेक्ट की शुरुआत नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2021 में की है। इस मेगा प्रोजेक्ट को अंडमान-निकोबार द्वीप समूहों के आखिरी छोर तक बनाया जाना है। इसमें मालवाहक जहाजों के लिए बंदरगाह, एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट, स्मार्ट सिटी और 450 मेगावॉट की गैस और सौर बिजली परियोजना स्थापित किया जाना शामिल है और यदि से सफल होता है तो इसका श्रेय मोदी सरकार एवं भाजपा को सदियों तक मिलता रहेगा ?

यहाँ सवाल उठता है कि यदि 2012 में कांग्रेस सरकार के समय आईएनएस बाज को कैंपबेल बे में स्थापित करना सही था, तो आज उसी क्षेत्र में विस्तृत विकास करना क्यों गलत है? जब तत्कालीन यूपीए सरकार ने समुद्री रणनीति को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र को महत्व दिया था, तो अब उसे आदिवासी अस्तित्व पर हमला बताना क्या दोहरा रवैया नहीं है? आज आईएनएस बाज भारतीय नौसेना का एक ऐसा नौसैनिक हवाई स्टेशन है, जो ग्रेट निकोबार द्वीप पर कैंपबेल बे से भारत के दक्षिणी क्षेत्र की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मलक्का जलडमरूमध्य और सिक्स डिग्री चैनल पर नजर रखने में मदद करता है। क्या कोई इस सामरिक महत्व को नकार सकता है?परियोजना के विरोध में भूकंपीय जोखिम का तर्क भी दिया जा रहा है। 2004 की सुनामी के समय यह क्षेत्र प्रभावित हुआ था, लेकिन उसके बाद से ही यहाँ मजबूत भूकंपीय निगरानी और आपदा प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। यह तर्क देना कि आपदा की आशंका से विकास रोक दिया जाए, वैसा ही है जैसे भूकंप संभावित क्षेत्रों में कोई शहर या उद्योग न बसाया जाए। इस दृष्टि से देखें तो भारत के उच्च जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्रों में उत्तर-पूर्वी राज्य, हिमालयी क्षेत्र (जैसे कश्मीर और उत्तर बिहार), गुजरात का कच्छ क्षेत्र और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं, जहाँ शक्तिशाली भूकंप आ सकते हैं। इन क्षेत्रों में दिल्ली, श्रीनगर और गुवाहाटी जैसे कई बड़े शहर भी स्थित हैं जो भूकंप के प्रति संवेदनशील माने जाते हैं। तब तो फिर इस सभी शहरों एवं राज्यों को खाली कर देना होगा। कांग्रेस यहां यह भूलती हुई नजर आ रही है कि आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक का उद्देश्य ही यही है कि जोखिम के बावजूद सुरक्षित निर्माण हो सके।

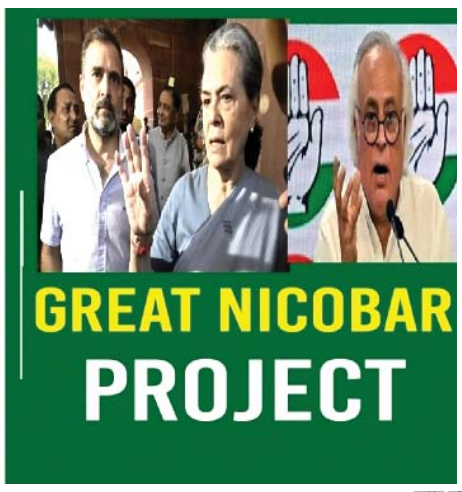

सवाल यह है कि क्या हमें अपने सामरिक हितों और आर्थिक संभावनाओं को इसलिए छोड़ देना चाहिए कि कुछ जोखिम हैं? या हमें उन जोखिमों का वैज्ञानिक समाधान निकालना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए? सरकार का दावा यही है कि उसने वैज्ञानिक संस्थाओं, पर्यावरण विशेषज्ञों और जनजातीय कल्याण मंत्रालय की सलाह के आधार पर ही परियोजना को मंजूरी दी है। फिर केंद्रीय मंत्रियों ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यह योजना केवल आधारभूत ढाँचे का विस्तार नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत में भारत की स्थिति को मज़बूत बनाने का राष्ट्रीय दायित्व है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने संसद में कहा कि विकास और पर्यावरण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। ग्रेट निकोबार परियोजना इसका उदाहरण होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत की सामरिक ढाल बताया। जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि जनजातीय अधिकारों और ग्रामसभा की सहमति को पूरी तरह सुनिश्चित किया गया है।

वास्तव में यदि विपक्ष यदि इस पर गंभीर है तो उसे ठोस वैकल्पिक सुझाव देने चाहिए, न कि केवल भय और अविश्वास का वातावरण बनाना चाहिए। आज दुनिया के तमाम देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की होड़ में हैं। यदि भारत अपने सामरिक स्थानों को मजबूत नहीं करेगा तो यह बड़ा अवसर गंवा देगा और चीन जैसी शक्तियाँ शून्य भर देंगी। यह अवसर गँवाना ही हमारे लिए दुस्साहस होगा। क्योंकि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की भावी सामरिक और आर्थिक शक्ति का आधार है और यह हिंद महासागर में भारत की भूमिका को निर्णायक बनाएगी।

अब कांग्रेस चाहे जितने तर्क दे, लेकिन सच्चाई यह है कि इस परियोजना को रोकना भारत की सुरक्षा और विकास, दोनों से समझौता करना होगा। आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है, पर तथ्यों के विपरीत भ्रम फैलाना जनता और देश दोनों के साथ अन्याय है। ग्रेट निकोबार परियोजना दुस्साहस नहीं, बल्कि दूरदृष्टि का प्रतीक है।

- यह लेखक के अपने विचार है।

आज का इतिहास

- 1226 औपचारिक रूप से लोगों के बीच यूचरिस्टिक आराधना की कैथोलिक प्रथा एविग्नन, फ्रांस में शुरू हुई।
- 1649 आयरलैंड-ओलिवर क्रॉवेल के न्यू मॉडलआर्मी की क्रॉमवेलियन विजय ने ड्रोघेडा की घेराबंदी को समाप्त कर दिया, शहर पर कब्जा कर लिया और इसके भगदड़ का नरसंहार किया।
- 1714 ड्यूक ऑफ बर्विक के तहत फ्रेंच और स्पेनी सैनिको ने बार्सिलोना पर कब्जा किया।
- 1741 रानी मारिया थेरेसा हंगेरियाई संसद को संबोधित किया।
- 1758 सात साल की युद्ध-संत कास्ट की लड़ाई, सेंट-कास्ट के पास हुई, जिसमें फ्रांस ने ब्रिटेन को एक निर्णायक हार सौंपी।
- 1773 बेंजामिन फ्रैंकलिन ने ÷कभी भी एक अच्छा युद्ध या बुरी शांति नहीं थी नामक पुस्तक लिखी।
- 1775 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-बेनेडिक्ट अर्नोल्ड के कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स के आक्रमण से क्यूबेक के आक्रमण के हिस्से के रूप में सामने आया।
- 1802 पिदमों का इतालवी क्षेत्र फ्रांसीसी प्रथम गणराज्य का हिस्सा बना।
- 1811 आविष्कारक जॉन स्टीवंस की नाव, जुलियाना, न्यू यॉर्क सिटी और हॉबोकन, न्यू जर्सी के बीच पहली स्टीम-संचालित नौका सेवा के रूप में परिचालन शुरू की।

'अमित छाप' छोड़ गए अमित शाह, न तेलुगू प्राइड! न तमिल प्राइड! सिर्फ देश का प्राइड

■ राजीव खण्डेलवाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य के आधार पर ''दिया'' इस्तीफा, बल्कि इस्तीफा ''लिया'' कहना ज्यादा उपयुक्त होगा। क्योंकि इस्तीफा देने के बाद देश के पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के स्वास्थ्य के बाबत आज तक एक भी ''मेडिकल बुलेटिन'' नहीं आया है। इससे ज्यादा ''सबूत'' की कोई आवश्यकता है क्या? ऐसी स्थिति में अनावश्यक रूप से थोपे गए उपराष्ट्रपति के चुनाव के परिणाम घोषित हो गए हैं। आशा के अनुरूप एनडीए के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन चुनाव जीत गए हैं। उन्हें 452 वोट मिले और इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले, जो आंकड़े ''आशाओं'' से अधिक और ''आशंकाओं'' को लगभग निर्मूल करते हैं। तथापि ये आंकड़े ऊपर से जितने सामान्य दिखते हैं और जो सामान्य परिणाम को दर्शाते हैं, वास्तव में स्थिति वैसी है नहीं? यदि इन आंकड़ों की गहन चीर-फाड की जाए, तो उसमें छुपे उसके कई अर्थ और अनर्थ भी निकलते हैं। इसका आगे विश्लेषण करने का प्रयास करते हैं।

असंभव को संभव कर दिखाया: एक म्यान में दो तलवार (परस्पर दुश्मनों) की एक साथ कैसे रह सकती हैं? इस ''असंभव को संभव'' करने का कोई करिश्मा किसी ने दिखाया है, तो वे शख्स हैं, देश के राजनैतिक नेतृत्व के प्रधानमंत्री के बाद नंबर दो कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह, जिन्हें समय-समय पर ''चाणक्य'', ''लौह पुरुष'' आदि ''संज्ञाओं'' से नवाजा भी जाता है। उपराष्ट्रपति का चुनाव परिणाम अमित शाह के नेतृत्व को सिद्ध करता है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख जगन रेड्डी और एनडीए की सरकार रूपी ''महल'' की मजबूत नींव रखने वाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोनों को एनडीए के उम्मीदवार के पक्ष में एक साथ मत दिलवाना, प्रधानमंत्री के मजबूत समर्थन के साथ खड़ी अमित शाह की नीति का परिणाम नहीं है, तो क्या है? उल्लेखनीय बात यहां पर यह भी है की जगन रेड्डी चाहते तो चंद्रबाबू नायडू से राजनैतिक दूरी दिखाएं रखने के लिए ''बीजेडी'', ''टीआरएस'', शिरोमणि अकाली दल के सामान, मतदान से अनुपस्थित रह सकते थे।

देश के ''प्राइड सिर्फ राधाकृष्णन'': उपराष्ट्रपति पद के लिए ''एनडीए'' के उम्मीदवार ''तमिलनाडु'' के तो ''इंडिया'' गठबंधन के तेलंगाना प्रदेश के थे। इसलिए दोनों पक्षों द्वारा ''तमिल और तेलुगु अस्मिता'' का मुद्दा चलाने का असफल प्रयास किया गया, जैसा कि पूर्व में महाराष्ट्र और बंगाल की अस्मिता का मुद्दा राष्ट्रपति के चुनाव में सफलतापूर्वक चला। ''राज्य'' की अस्मिता से ज्यादा ''राष्ट्र'' के अस्मिता बड़ी है, इस चुनावी परिणाम के इस संदेश के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और अमित शाह दोनों को सफलता का ''श्रेय'' दिया जाना चाहिए। वैसे राज्य की अस्मिता से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद का झंडा लेकर चलने वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मल्लिकार्जुन खड़गे को आगे आकर राज्य की अस्मिता से ऊपर देश के अस्मिता रखने के लिए बधाई जरूर देनी चाहिए।

''भारी'' विजय! लेकिन ''ऐतिहासिक'' कदापि नहीं?: एनडीए के सी.पी.राधाकृष्णन के रूप में 152 (452-300) वोटों से विजय निश्चित रूप से अधिकृत आंकड़ों से ज्यादा मत मिलने से भारी है। लेकिन यदि वर्ष 2022 के जगदीप धनखड़ के चुनाव की तुलना करें, तो उसके सामने यह विजय फीकी है, तब एनडीए के जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस के मार्गेट अल्वा को भारी अंतर 346 (528-182) से हरा कर ''ऐतिहासिक'' जीत दर्ज की थी। दोनों उम्मीदवारों को अधिकृत वोट क्रमशः 438 एवं 315 वोट थे। 28 अतिरिक्त वोटों में से 14-14 दोनों उम्मीदवारों को मिले। तीन क्षेत्रीय पार्टियों व एक निर्दलीय चुनाव में अनुपस्थित रहे। क्या ये अवैध मत डालने वाले 15 सांसद देश चलाने के लिए उपयुक्त हैं? देश स्वतंत्र हुए 78 साल हो चुके हैं। संविधान लागू हुए 75 वर्ष व्यतीत हो जाने के बावजूद, देश के (बदतमीज?) यदि सांसदों को वोट डालने की ''तमीज'' तक नहीं है, तो ये कार्य क्या कर पाएंगे? उपराष्ट्रपति के चुनाव में 15 वोट अवैध घोषित किये जाते हैं, तो क्या ऐसे सांसदों की सदस्यता समाप्त नहीं की जानी चाहिए? अथवा इन घोषित अवैध मतों की कार्रवाई को अवैध घोषित करने के लिए न्यायालय में संविधान के अनुच्छेद 71 के तहत चुनौती दी जायेगी। या आर.टी.आई. के माध्यम से इन्हे अवैध घोषित करने का कारण पूछा जायेगा? अथवा क्या इस तरह के प्रावधान, कानून लाने की आवश्यकता नहीं है? यद्यपि हमारे देश में मतदाता बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता की शर्त (कंडीशन) नहीं है। आज भी देश की लगभग 27.9 करोड़ (जो कुल जनसंख्या का लगभग 19% है) जनसंख्या ''अनपढ़'' होने के बावजूद अपने मताधिकारों का विभिन्न चुनावों में सफलतापूर्वक उपयोग करती है। उसमें इतनी समझ भी रहती है कि जब एक समय (1971 के पूर्व) जब एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होते थे, तब लगभग 34 करोड़ (कुल जनसंख्या का 6%) अनपढ़ मतदाता अपने मतों का उपयोग विवेक से अलग-अलग दलों के लिए किस प्रकार किया जाना चाहिये। अब ऐसे 15 सांसदों के वोट अवैध हुए, क्या जनता के प्रति उनका यह विश्वासघात नहीं है?

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

अफगानिस्तान में 21वीं सदी की त्रासदी जीवनदायिनी पर जीवन का संकट

■ डॉ. निवेदिता शर्मा

अफगानिस्तान के संदर्भ में ये 21वीं सदी की आधी आबादी के साथ भयंकर त्रासदी है; जो दुनिया में पुरुष को लेकर आने का कारण है, वह जीवनदायिनी मां आज संकट में है। क्योंकि शरिया स्त्री पुरुष को स्किन टू स्किन संपर्क के लिए मना करता है।

फिर यह प्रश्न स्वभाविक है कि मानवीयता से ऊपर क्या कोई रिलीजन हो सकता है। फिर स्त्री तो उन पुरुषों की भी मां है, जिन्होंने यहां आधी आबादी को दबाने के लिए अपने ही नियम बनाए हैं। ऐसे में उन अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर भी प्रश्न उठते हैं, कि उनके होने का आखिर अर्थ क्या है, जब वे मानवीय पीड़ा के वक्त भी अनुचित करने वाले देश एवं वहां के शासन-प्रशासन को समझा तक नहीं पा रहे?

अफगानिस्तान में 31 अगस्त 2025 को आए 6.0 तीव्रता वाले भूकंप ने केवल घर और गाँव नहीं गिराए, उसने मानवीय संवेदनाओं और नैतिकताओं की नींव को भी हिला दिया है। इस आपदा ने जो सबसे भयावह तस्वीर दुनिया के सामने रखी, वह यह थी कि मलबे के नीचे दबे पुरुष और बच्चे तो किसी तरह बाहर निकाल लिए गए, लेकिन महिलाओं को उनके ही खून से लथपथ शरीर के साथ तड़पने के लिए छोड़ दिया गया। कारण केवल इतना कि तालिबान ने अपने नियमों में यह तय किया है कि कोई असंबंधित पुरुष किसी महिला को हाथ तक नहीं लगा सकता। ऐसे में यहां इसका भयंकर त्रासदीपूर्ण परिणाम यह हुआ कि राहत कार्य के शुरुआती छत्तीस घंटों में किसी भी पुरुष बचावकर्मी ने महिलाओं को छूने तक की हिम्मत नहीं की।

देखने में आया कि कई महिलाएँ मदद के लिए पुकारती रहीं, लेकिन उनके पास कोई नहीं पहुँचा। जब उनकी लाशें निकाली गईं तो सीधे हाथ लगाने से बचने के लिए उन्हें उनके कपड़ों से बहुत बुरी तरह से खींचकर बाहर निकाला गया। यह दृश्य इस्लामिक तालिबान के शासन में महिलाओं के जीवन से जुड़ी उस चीत्कार का उदाहरण है जिसमें मानवीय संवेदनाएं तार-तार हो गईं, यह बताता है कि पुरुषों को जन्म देनेवाली मां यहां सिर्फ एक स्त्री होने के कारण किस हद तक तुच्छ और गौण है।

इतिहास में जाएं तो यही समझ आता है कि अफगान महिलाओं की स्थिति हमेशा उतार-चढ़ाव के बीच ही बीती है। सत्तर के दशक में शहरी इलाक़ों में महिलाएँ शिक्षा और रोजगार में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थीं। सोवियत हस्तक्षेप के दौरान और उसके बाद भी, कम से कम बड़े शहरों में महिलाओं की मौजूदगी दिखती थी लेकिन 1996 में जब तालिबान पहली बार सत्ता में आया तो उसने महिलाओं को पूरी तरह घर की चारदीवारी में कैद कर दिया। स्कूल और कॉलेज बंद, रोज़गार पर रोक, यहाँ तक कि अस्पताल में भी बिना पुरुष अभिभावक के जाना नामुमकिन बना दिया। 2001 में अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद स्थिति कुछ बदली। लड़कियाँ फिर से स्कूल जाने लगीं, संसद और विश्वविद्यालय में उनकी मौजूदगी बढ़ी, मीडिया और स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्होंने भूमिका निभाई लेकिन 2021 में जैसे ही तालिबान लौटा, सब कुछ एक झटके में छिन गया।

दूसरी ओर इस पूरी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्र महिला (UN Women) और अन्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि महिलाओं को आपदा राहत और पुनर्वास से बाहर रखना मानवीय संकट को और गहरा करेगा, किंतु व्यावहारिक स्तर पर इस संस्था का यहां कोई दबाव देखने को नहीं मिला। इस्लामी देशों का संगठन (OIC) और बड़े मुस्लिम राष्ट्र भी चुप्पी साधे बैठे हैं। वे स्पष्ट तालिबान की नीतियों की आलोचना तक करने की हिम्मत नहीं दिखा रहे। हां, प्रवासी अफगान महिलाएँ अवश्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय हैं, किंतु उनके पास संसाधनों और राजनीतिक समर्थन की कमी है।

आज 21वीं सदी में अफगानिस्तान महिलाओं को देखकर यही समझ आता है कि ये तालिबान की नीतियों की शिकार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक उदासीनता की भी पीड़िता हैं।

(लेखिका, मप्र बाल आयोग की सदस्य हैं।)

समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नर्मदा परिक्रमा पथ का सर्वे जल्द पूरा कर गांवों की छूटी हुई सड़कों का निर्माण कराएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभाग के सभी जिलों में 100 की जनसंख्या के बसाहट वाले गांवों में छूटी हुई सड़क का निर्माण प्राथमिकता से कर इन सड़कों को मुख्य मार्ग से कनेक्ट किया जाए। साथ ही सड़क निर्माण का वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को दिए। बता दें कि कमिश्नर तिवारी ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड एवं ऊर्जा तथा नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ली है।

कमिश्नर तिवारी ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए की 250 और 500 की जनसंख्या वाली बसाहटों के गांवों में भी सड़क निर्माण का कार्य जल्द से जल्द कंप्लीट कर लिया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण नर्मदापुरम एवं हरदा जिले में नर्मदा परिक्रमा पथ के सर्वे का कार्य जल्द से जल्द पूरा करें। बताया गया की नर्मदा परिक्रमा पथ लगभग 100 किलोमीटर का है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बैतूल में 46 किलोमीटर, हरदा में 40 किलोमीटर एवं नर्मदापुरम में 46 किलोमीटर सड़क बनाने का कार्य प्रगति पर है। मार्च 2026 तक सभी सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य के अंतर्गत हरदा में 21 सड़क , नर्मदापुरम में 14 सड़कों के निर्माण कार्य की डीपीआर बनाई जा चुकी है। डीपीआर की स्वीकृति मिलने पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। बताया गया कि 100 की आबादी पर 50 मीटर सड़क निर्माण के कार्य का सर्वे भी कराया गया है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी सड़कों का निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए।

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों में एवं रायसेन तथा छिंदवाड़ा जिले तक 791 किलोमीटर की सड़क बनाने का टारगेट प्राप्त हुआ है। जिसमें हरदा से आशापुरा सड़क मार्ग मुख्य सड़क है , जिसका चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। नर्मदापुरम एवं टिमरनी तक 73 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य 2 वर्ष में पूर्ण करके दे दिया जाएगा। अधिकारियों ने कमिश्नर को बारिश के थमते ही सड़क मरम्मत का कार्य प्रारंभ करने की बात कही है उन्होंने बताया कि वर्तमान में नर्मदापुरम टिमरनी मार्ग पर वन विभाग की अनुमति लंबित है। गृह निर्माण मंडल के कार्यों की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की बैतूल जेल का निर्माण कार्य जल्द ही पूर्ण कर लिया जाए। बताया गया कि सोहागपुर और बाबई में स्वास्थ्य केंद्र बनाकर तैयार कर लिए गए हैं इनका स्वास्थ्य विभाग को हैंडोवर होना बाकी है।विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की कमर्शियल भवनो एवं अन्य स्थानो पर सोलर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए आवश्यक परीक्षण अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर अतिथि शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

सिरोंज। अतिथि शिक्षक संघ द्वारा द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। मांग पूरी न होने पर प्रदेश भर में उग्र आंदोलन करने चेतावनी भी अतिथि शिक्षकों ने दी है। ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों की प्रमुख मांगों में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 2 सितंबर 2023 को अतिथि शिक्षक महापंचायत में अतिथि शिक्षकों को नियमित करने, अतिथि शिक्षकों का 12 माह का सेवा कार्यकाल करने एवं विभागीय परीक्षा के माध्यम से अतिथि शिक्षकों को नियमित करने की घोषणा की गई थी। इन घोषणाओं को पूर्ण करने, ईअटेंडेंस की विसंगतियों को दूर करने तथा जिस दिन अतिथि शिक्षक नेटवर्क की समस्या के कारण उपस्थित दर्ज नहीं कर पाते हैं। उस दिन की उपस्थिति शाला प्रभारी द्वारा सत्यापित उपस्थिति पंजी रजिस्टर के माध्यम से मान्य करते हुए वेतन भुगतान करने, अतिथि शिक्षकों को भी शासकीय शिक्षकों की तरह माह में कम से कम दो अवकाश प्रदान करने तथा अतिथि शिक्षकों को प्रत्येक माह की 5 तारीख तक वेतन भुगतान करने की मांग की गई है। इस दौरान संघठन के जिला अध्यक्ष राकेश कुशवाह, ब्लॉक अध्यक्ष गोविन्द सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष संजीव शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुनील शर्मा, हटेसिंह राजपूत, रुचि यादव तथा रचना सेन के साथ ही अनेक अतिथि शिक्षक मौजूद थे।

पटले ने बाजार का जायजा लेकर जानीं समस्याएं

नर्मदापुरम। बाजार क्षेत्र में हो रही जल भराव की समस्या का समाधान हो रहे कार्यों का जायजा लेने मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले पहुंची। उन्होंने नपा के उपयंत्री और स्वच्छता प्रभारी को जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, श्री किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे एवं अन्य व्यापारीगण, उपयंत्री अंबक पाराशर, स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी, अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर लगातार हम बाजार क्षेत्र की जल भराव की समस्या का समाधान करने में लगे हुए हैं। हमने व्यापारियों से चर्चा की है। एक व्यापारी की दुकान खाली कराई गई। उनकी दुकान के नीचे ही जल निकासी अवरूद्ध हो रही है। गुरूवार को वहां कार्य किया जाएगा जिससे जल निकासी सुचारू हो जाएगी।

लोक अदालत 13 को, प्रचार वाहन को दिखाई झंडी

नर्मदापुरम। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंम्बर को किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहन को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम् के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। न्यायाधीश एवं सचिव श्री विजय कुमार पाठक ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंम्बर 2025 को किया जा रहा है। जिसमें लंबित सभी प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दावा विधुत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, सिविल न्यायालय में आपसी सुलह समझौते के माध्यम से निराकृत किए जाएंगे। प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में विधुत विभाग नगर पालिका एवं बैंक के रिकवरी प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा जाएगा। प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाने के दौरान समस्त न्यायाधीशगण एवं जिला विधिक सेवा अधिकारी अभय सिंह, विधुत विभाग के अधिकारी एवं बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुनीम पर जानलेवा हमले के आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने की मांग

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विगत दिवस मंडी व्यापारी के साथ हुए जानलेवा हमले को लेकर अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ ने एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि संघ के सदस्य यश ट्रेडिंग कंपनी के प्रतिनिधि अमित रघुवंशी बैंक से पैसा निकाल कर कृषकों को भुगतान करने हेतु मंडी जा रहे थे रास्ते में किन्हीं अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रतिनिधि पर प्राण घातक हमला कर लूटने का प्रयास किया गया। इसके पूर्व में भी व्यापारी एवं कृषकों के साथ लूट की घटना हो चुकी है इससे व्यापारी संघ में भारी रोष का माहौल है। व्यापवारियों ने मांग की है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए। अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए तो व्यापारी संघ 12सितंबर से नीलामी में भाग नहीं लेगा। मंडी प्रांगण में पहले पुलिस व्यवस्था थी लेकिन वर्तमान में पुलिस प्रशासन ने वहां से पुलिस सुरक्षा हटा दी है घटना को देखते हुए पुनः पूर्व अनुसार पुलिस व्यवस्था की जाए।

करीब तीन माह से ग्रामीणों की दहशत का कारण बना तेंदुआ

तेंदुए को वन विहार भेजने की तैयारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण अंचल में जंगली तेंदुआ लोगों की दहशत का कारण बना हुआ है। जिसे रेस्क्यू कर अब वन विहार भेजने की तैयारी में वन विभाग का हमला जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) का तेंदुआ जंगल से बार-बार बाहर निकलकर ग्रामीण क्षेत्र में उत्पात मचा रहा है। ग्रामीणों के मुर्गी, बकरी, कुत्तों और पालतू पशुओं को वो अपना शिकार बनाकर खा रहा है। करीब 3 महीने से एसटीआर का अमला इस तेंदुए को रेस्क्यू करने और छोड़ने में ही लगा हुआ है।

एसटीआर अब इस तेंदुए को वन विहार भेजने की तैयारी में लगा है। जिसके लिए धांसई के अलावा सातलदेही, केली में पिंजरा लगाया है। टीम ने तीन पिंजरे लगाएं है। लेकिन लालच पिंजरे में बंद बकरी के लालच में नहीं आ रहा है। तेंदुए के मूवमेंट से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण घर से अकेले बाहर निकलने से डर रहे है। तेंदुआ पलभर में गांव में आकर बकरी, मुर्गी, कुत्तों को उठाकर ले जा रहा है।

दो माह में तीसरी बार पकड़ने पर उसे घने जंगल में ऐसी जगह छोड़ा था, जहां से वह दोबारा रहवासी इलाकों में न पहुंच सके। लेकिन 12 दिनों से तेंदुआ फिर जंगल से बाहर बफर जोन में रहवासी क्षेत्र में पहुंच गया। जो धांसई, सातलदेही और आसपास में घूम रहा है। इन तेंदुए को पकड़ने के लिए भी सामान्य वन मंडल नर्मदापुरम के द्वारा दो पिंजरे लगाएं है। एक सप्ताह बाद भी यहां भी तेंदुआ पिंजरे में नहीं फंसा है।

सिरोंज में कुत्तों का आतंक, रोज आ रहे 8 से 10 मरीज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर में इन दिनों कुत्तों का आतंक बना हुआ है। लगभग हर इलाके में आवारा कुत्ते घूमते दिखाई देते हैं और कुछ इलाके तो ऐसे हैं जहां पर कुत्ते गेंग के रूप में घूम रहे हैं। जनपद पंचायत परिसर के अलावा ये कुत्ते पुराना कोर्ट एरिया, पुराना बस स्टैंड, राज बाजार और छोटा बाजार इलाके में दिनभर घूमते है। इसी तरह 14 कुत्तों की गेंग नयापुरा, छिपेटी बाजार, कस्टम पथ और इलाके में घूमती है। ऐसी ही 4 से 8 कुत्तों की गेंग हाजीपुर, कटरा और तहसील रोड पर घूमती दिखाई देती है।

कुत्तों के गेंग अब घातक बनती जा रही है। इनका लोगों को काटना अब आम होता जा रहा है। इनके शिकार अधिकतर बच्चे हो रहे हैं। पुराना कोट एरिया में में रहने वाले आदिल मियां ने बताया कि कुछ समय पहले एक बच्चे से कुत्ता चेंट गया था। जैसे-तैसे उसे बचाया लेकिन इसे उसके कपड़े फट गए। इसके बाद से अब उसको डरते हुए घर से बाहर निकलना पडता है। 20 के पार्षद फारूख गौरी ने बताया कि आवारा कुत्ते तो परेशानी का सबब बने ही हैं। शहर में घूम रही कुत्तों की गैंग को देखने के बाद दैनिक भास्कर ने सिरोंज बीएमओ डाक्टर वि कास सिंह बघेल ने राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय में कुत्तों से पीड़ित मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि करीब इर्नादनों हर दिन कुत्ते के काटने के 8 से 10 केस अस्पताल में आना आम बात है। कभी-कभी ये संख्या बड़ भी जाती है। इसमें हर उम्र के पीड़ित शामिल हैं। एक पीड़ित को इंजेक्शन के 4 डोज लगते हैं।

सियार के हमले से महिला घायल, अस्पताल में भर्ती

शिवपुरी, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में एक महिला ने अपनी जान बचाने के लिए अपनी साड़ी को हथियार बना लिया। महिला खेत पर हमला कर रही थी तभी खूंखार जानवर ने उस पर हमला कर दिया। महिला ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी साड़ी का फंदा बनाकर जानवर के गले पर कस दिया। हैरान कर देने वाली ये घटना शिवपुरी जिले के बदरवास थाना इलाके के बरखेड़ा गांव की है। जहां रहने वाली 55 साल की सूरजी बाई अपने खेत पर घास काट रही थी। इसी दौरान वहां सियार आ गया और उसने सूरजी बाई पर हमला कर दिया। सियार महिला पर झपटा तो पहले तो सूरजी बाई डर गई लेकिन फिर जान बचाने के लिए वो सियार से भिड़ गई। करीब 30 मिनट तक सूरजी बाई और सियार के बीच खेत पर मौत की लड़ाई होती रही।

स्वदेशी अपनाने के लिए लोगों को दिलाई शपथ

गंजबासौदा। शासकीय माध्यमिक विद्यालय गंज के शहीद भगतसिंह कक्ष मे भारतीय धर्म संस्कृति, योग प्राणायाम , स्वदेशी जागरण आत्मनिर्भर भारत,पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त अभियान, छात्र अनुशासन पर लगातार सक्रिय रहकर कार्य करते रहने वाले प्रसिद्ध योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी सहित शिक्षा के क्षेत्र मे नवाचार करने वाले गुरूजनो प्रधानाध्यापक नवनीत जैन , सुधा जैन, साधना कुलश्रेष्ठ , अनीता ठाकुर , ज्योति भार्गव , धर्मेंद्र कुमार दिवाकर , मदन बाबू जाटव का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। योग गुरू कादरी ने सम्मान समारोह मे कहा अपने राष्ट्र को महान बनाने के लिए हमें स्वामी विवेकानंद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय , महात्मा गाँधी के दर्शन का अनुसरण करना होगा। हर तरफ स्वदेशी अपनाना होगा तभी भारत आत्मनिर्भर भारत बनेगा ।हमारा परिवार ही हमारे संस्कार की पहली पाठशाला होती है।

मेट्रो एंकर

खेल मैदान पर जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

रोमांच से भरपूर रहे तीसरे दिन के खेल, खिलाड़ियों ने दिखाया जौहर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सांदीपनि विद्यालय मैदान पर आयोजित हो रही राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन लीग मैचों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। सेमीफाइनल में स्थान बनाने और नेशनल टीम में अपना स्थान बनाने के लिए संभागों की टीमें तथा खिलाड़ी मैदान पर अपना बेहतर प्रदर्शन करते दिखाई दिए। अलसबेरे से लेकर देर शाम तक सम्पन्न हुए बालक एवं बालिका वर्ग के पन्द्रह मैचों के दौरान बीच में अनुविभाग के प्रशासनिक अधिकारीयो ने पहुंचकर खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन भी किया।

प्रतियोगिता में सम्पन्न हो रहे लीग मैचों की श्रृंखला में दोपहर को लंच के उपरांत भोपाल संभाग का मैच शहडोल संभाग के साथ हुआ। मैच के पहले हाफ में भोपाल संभाग की ओर से खेल रहे सिरोंज के जर्सी नंबर 8 पहनकर खेल रहे खिलाड़ी इकराम ने पहला गोल दागकर भोपाल को 1-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में भोपाल संभाग के ही जर्सी नंबर 10 खिलाड़ी राजवीर ने दूसरा गोल दागकर शहडोल पर निर्णायक बढ़त बना ली। मैच के आखिरी समय तक शहडोल की टीम के खिलाड़ी गोल करने का प्रयास करते रहे लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। भोपाल संभाग ने यह मैच 2-0 से जीता।

मैच के दौरान खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिए अनुविभाग के प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। सुबह के समय अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा ने ग्राउंड में पहुंचकर खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। वहीं दोपहर में एसडीओपी सोनू डावर तथा नगर निरीक्षक विमलेश राय भी पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने दो ग्राउंड पर बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों से उनके अनुभवों को भी जाना। इस दौरान प्रतियोगिता की व्यवस्था देख रहे भाजपा पार्षद सचिन शर्मा,पूर्व हॉकी खिलाड़ी नारायण हरि सोनी, सरपंच वीरेंद्र पालीवाल,राकेश पालीवाल सहित गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

सेमीफाइनल के मैच आज

फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन सेमीफाइनल मैच आयोजित होंगे। कुल 4 सेमीफाइनल होंगे जिसमें 2 बालक वर्ग के एवं 2 बालिका वर्ग के होंगे। प्रतियोगिता में दोनों वर्ग के कुल 40 लीग मैच होना थे जो गुरुवार की दोपहर तक पूर्ण हो जाएंगे। प्रतियोगिता का फाइनल शुक्रवार को खेला जाएगा। इसके बाद ही निर्णायक समिति द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश का नेतृत्व करने वाली बालक बालिका वर्ग के टीम की घोषणा की जाएगी।

ग्वालियर ने उज्जैन को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की

प्रतियोगिता के तीसरे दिन भी कुल 15 मुकाबले निर्धारित किए थे जिसमें बालिका वर्ग में जबलपुर संभाग ने उज्जैन को 2-0 से भोपाल ने नर्मदापुरम को 3-0 से तथा रीवा ने सागर को 9-0 से मात दी। जनजाति विभाग और इंदौर का मैच 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। लंच के बाद खेले गए मैच में ग्वालियर ने उज्जैन को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की। इसी तरह बालक वर्ग में सुबह के पहले मुकाबले में इंदौर संभाग ने शहडोल को 2-0 से दूसरे मैच में उज्जैन ने जबलपुर को 1-0 से मात दी। तीसरे मैच में सागर और नर्मदापुरम का मुकाबला रोमांचक रहा, जो 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ।चौथे मैच में रीवा ने ग्वालियर को कड़ी टक्कर देकर 2-1 से जीत हासिल की।

सूदखोरों पर प्रकरण दर्ज

सूदखोरों के डर से किसान ने लगाई फांसी, भर्ती

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर एक किसान ने फांसी लगाकर आत्म हत्या करने का प्रयास का मामला सामने आया है। गंभीर हालात में किसान को अस्पताल में भर्ती किया गया। पीड़ित किसान के पास से एक सुसाइड नोट पुलिस को मिला है।सुसाइड नोट में पीड़ित किसान ने इटारसी, नर्मदापुरम और ब्यावरा के 10 लोगों पर उधारी के दिए रुपए के लिए अधिक ब्याज वसूलने, रास्ता रोककर गाली गलौच करने, जान से मारने की धमकी देने समेत कई आरोप लगाए है। जिस प्रताड़ना से तंग आकर उसने फांसी के फंदे पर लटककर जान देने की कोशिश की। सुसाइड नोट में लिखे नामों के आधार पर देहात थाना पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया।घटना 8 सितम्बर की रात 10.30बजे की है। पुलिस के मुताबिक 44 वर्षीय महेंद्र सिंह ब्यावरा का रहने वाला है। सुसाइड नोट के मुताबिक महेंद्र सिंह ने इटारसी के 7 व्यक्ति, नर्मदापुरम के 3 व्यक्ति और ब्यावरा की एक महिला से रुपय उधार लिए थे। जिसका ब्याज समेत मूल रुपए निर्धारित समय समय पर वो चुकाता था।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने की नारेबाजी

ई-अटेंडेंस से वेतन रोकने का विरोध, कहा- ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं मिलते मोबाइल नेटवर्क

मनोज गौड़, खरगौन

प्रदेश में सार्थक एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस (हाजिरी) की अनिवार्य व्यवस्था लागू करने के बाद कर्मचारियों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा। इस व्यवस्था को कोषालय प्रणाली से जोड़ते हुए वेतन भुगतान का आधार बना दिया गया है। बुधवार को न्यू बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कर्मचारी सीएमएचओ कार्यालय परिसर पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए इस निर्णय का विरोध किया।

कर्मचारियों ने कहा कि खरगोन सहित प्रदेश के कई जिले आदिवासी बाहुल्य और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आते हैं। यहां आज भी सड़कों की स्थिति खराब है और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा बेहद सीमित है। ऐसे इलाकों में पदस्थ कर्मचारियों के लिए समय पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना असंभव है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नेटवर्क नहीं मिला या सर्वर डाउन हुआ तो क्या उनकी हाजिरी गायब मानी जाएगी और वेतन रोक दिया जाएगा? इसे कर्मचारियों ने सीधा अन्याय बताया। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि शासन ने यह व्यवस्था बिना ठोस तैयारी और परीक्षण के लागू की है। पहले इसे कुछ जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाता और खामियों को दूर किया जाता, लेकिन जल्दबाजी में पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया।कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शासन ने शीघ्र ही इस व्यवस्था में सुधार नहीं किया या ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता समाप्त नहीं की तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने मांग रखी कि परंपरागत उपस्थिति प्रणाली को फिर से लागू किया जाए, ताकि कर्मचारियों को नेटवर्क या तकनीकी समस्या का खामियाजा न भुगतना पड़े। फिलहाल प्रशासन ने इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन कर्मचारी संगठनों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में यह विरोध और व्यापक रूप ले सकता है।

कर्मचारियों की आपत्तियां

- ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में नेटवर्क समस्या के कारण हाजिरी दर्ज कराना कठिन।
- एप से उपस्थिति को सीधे वेतन भुगतान से जोड़ना असंवैधानिक।
- तकनीकी गड़बड़ी या सर्वर फेल का नुकसान कर्मचारियों को उठाना पड़ेगा।
- पारंपरिक उपस्थिति प्रणाली खत्म करना कर्मचारियों पर दबाव बनाना।

शिक्षकों ने समस्याओं को लेकर शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक के समस्त शिक्षकों के द्वारा बुधवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बताया गया कि वर्तमान में ऑनलाइन ई-अटेंडेंस प्रणाली के कारण अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। वर्तमान ई-अटेंडेंस एप में लगातार तकनीकी खामियों (जैसे राशि कटना, फॉड कॉल, सिस्टम त्रुटियों) आ रही है। जिससे शिक्षक परेशान हैं एवं नेटवर्क समस्या। शिक्षक निर्धारित समय पर स्कूल पहुँचने पर भी अटेंडेंस न लग पाने के कारण शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ज्ञापन सौंपने वालों में गुड्डा सिंह ठाकुर, बृजराज सिंह परिहार, सत्येंद्र जैन, स्वदेश नेमा, नरेंद्र सिंह ठाकुर, राजेश नामदेव, नारायण सिंह राजपूत, ठाकुरदास अवस्थी, जितेंद्र बागवार, दौलत सिंह ठाकुर, राजेश सरैया, पुरुषोत्तम सरैया, मुकेश जैन, योगेंद्र जैन, शैलेंद्र खरे, काशीराम अहिरवार, मनमोहन अहिरवार, इंद्र कुमार पंद्राम, गुड्डा पाल, कुंदन उपाध्याय, महेंद्र जैन, गणेश पाठक सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

रुपयों से भरा थैला गायब, पीड़ित पहुंचा थाने

तेंदूखेड़ा। एक युवक का थैला एक दुकान के काउंटर से अचानक गायब हो गया बाद में युवक ने इसकी शिकायत तेंदूखेड़ थाने में दर्ज कराई है अब तेंदूखेड़ा पुलिस उस थैले को खोज रही है क्योंकि उसमें युवक के अनुसार पैसे रखे हुऐ थे जो उसकी बहन ने अपने खाते से निकले थे और एक दुकान से किराना सामग्री लेगे भाई बहन दोनों साथ में गये थे

और पैसों का थैला उन्होंने दुकान के काउंटर से रख दिया था जो बाद में उनको मौके पर नहीं मिला। पीड़ित प्रकाश साहू ने बताया कि बहन के खाते से पैसे निकालकर किराना सामग्री लेने लगे, काउंटर पर रखा थैला गायब हो गया। उन्होंने थैले के संबंध में दुकानदार से पूछा उन्होंने कहा मैने नहीं देखा बाद में प्रकाश ने बताया थैले में एक लाख पंद्रह हजार रुपया रखा था बाद में दुकानदार और भाई बहन ने थैले की खोजबीन की किंतु नहीं मिल उसके बाद तेंदूखेड़ा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

गौसेवा के लिए बृजेश तिवारी सम्मानित

तेंदूखेड़ा। नगर में स्थित आचार्य विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गोशाला में तेंदूखेड़ा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी का जन्मदिन गोसेवा और भक्ति भावना के साथ मनाया गया। गोमाता को गुड के लड्डू खिलाकर व भोग अर्पित कर आशीर्वाद लिया गया। एसडीएम सौरव गंधर्व एवं एसडीओपी देवी सिंह ठाकुर थाना प्रभारी नीतेश जैन ने अपने संदेश में सेवा, सद्भाव और गौ संरक्षण को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया बृजेश तिवारी थाने में पदस्थ हैं थाने के मंदिर में हर त्योहार पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करने में हमेशा बृजेश तिवारी आगे रहते हैं। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने गोसेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मकता फैलाने के संकल्प के साथ तिवारी को शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी नितेश जैन, वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, गोशाला अध्यक्ष संजय जैन पारसमणि, पूर्ण नगर परिषद अध्यक्ष अरविंद कुमार मोदी रवि त्रिपाठी एएसआई गजराज सिंह ठाकुर नगर के जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी व अधिकारीगण आदि मौजूद थे।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का शुभारंभ कल

मंदसौर। जिले के गांधीसागर में 12 सितंबर से गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का आगाज़ होने जा रहा है जिसका उद्घाटन प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव के हाथों होना है। कलेक्टर अदिती गर्ग और लछू जी एंड संस के सौरभ गुप्ता ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्राकृतिक सुंदरता को समेटे गांधी सागर में टूरिस्ट तमाम प्रकार की एक्टिविटीज लुफ्त उठा पाएंगे। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से लछूजी एंड संस द्वारा विकसित यह रिट्रीट विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। पर्यटकों को टेंट सिटी में हॉट-एयर बलूनिंग, पैरामोटरिंग और जेट स्कीइंग का रोमांच मिलेगा। कायाकिंग और मोटर बोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। आयोजन में हिंगलाजगढ़ किले की हेरिटेज ट्रेल और गांधीसागर अभयारण्य में वन्यजीव सफारी का आनंद लिया जा सकेगा। पर्यटक ग्रामीण जीवन के वास्तविक अनुभवों से भी रूबरू होंगे। स्थल पर 2,500 वर्ग मीटर में बटरफ्लाई गार्डन विकसित किया गया है। इसमें 4,000 से अधिक पोषक और पराग प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां 40 से अधिक तितली प्रजातियां देखी जा सकती हैं। प्रशिक्षित नेचुरलिस्ट आगंतुकों को तितलियों के जीवन चक्र की जानकारी देंगे।

मासूम पर स्ट्रीट डॉग्स का हमला, भर्ती

जबलपुर। आवारा कुत्तों का आतंक इन दिनों आम लोगों को बेहद परेशान किए हुए हैं कब किस पर हमलावर हो जाएं इसकी कोई गारंटी नहीं है। गुरुवार की सुबह जबलपुर के पाटन क्षेत्र में एक 6 साल की मासूम पर स्ट्रीट डॉग्स ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना सुबह करीब 7 बजे की है, जब बच्ची पास की किराना दुकान से साबुन लेने गई थी। वापस लौटते समय दो आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। करीब 2 से 3 मिनट तक कुत्ते बच्ची को नोचते और काटते रहे, वह चीखती रही लेकिन आस-पास कोई मदद के लिए तुरंत नहीं पहुंच सका। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने बच्ची की हालत देखकर पत्थर फेंककर कुत्तों को भगाया। इसके बावजूद, एक कुत्ता बच्ची का पीछा करते हुए घर तक पहुंच गया।घटना की सूचना मिलते ही बच्ची कविता की मां अहिल्याबाई मौके पर पहुंचीं और मकान मालिक धनीराम की मदद से बच्ची को गंभीर हालत में पाटन स्वास्थ्य केंद्र लेकर गईं। यहां प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची के सिर, हाथ, पैर और कंधे सहित पांच से छह स्थानों पर गहरे घाव हैं। सिर पर गंभीर चोटें आई हैं।

तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में भय, बछड़े पर हमला किया

कटनी, दोपहर मेट्रो

रिहायशी इलाकों में खूंखार वन्य जीव तेंदुए का आतंक दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है, अब कटनी जिले में देखने को मिला है। यहां कटनी जिले के बरही नगर से लगे खजुरा गांव में तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में भय का माहौल है। रात करीब 11 बजे एक तेंदुए ने अब्बास भाईजान के खेत में बंधे बछड़े पर हमला कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ वहां से भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। रेंजर गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि तेंदुआ खेतों में छिपा हुआ था। वन विभाग की टीम तेंदुए पर नजर रख रही है। इस घटना के बाद से ग्रामीण खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। किसानों को चिंता है कि खेतों में काम न कर पाने से फसलों को नुकसान हो सकता है। वन विभाग ने ग्रामीणों को अकेले खेतों में न जाने की सलाह दी है। साथ ही रात में घर के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने को कहा है।

उज्जैन के बेगमबाग में पहुंची जेसीबी और पोकलेन देख मचा हड़कंप, पुलिस बल तैनात

लीज की शर्तों के उल्लंघन मामले में संयुक्त कार्रवाई

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में लीज की शर्तों के उल्लंघन मामले में उज्जैन विकास प्राधिकरण और नगर निगम की संयुक्त टीम ने गुरुवार सुबह बेगमबाग में जेसीबी-पोकलेन मशीन लेकर पहुंच गई है। यहां से 11 मकान हटाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

यह महाकाल मंदिर परिसर से लगा इलाका है और यहां लीज की शर्तों का उल्लंघन कर और लीज नवीनीकरण कराए बगैर मकानों का निर्माण कर

लिया गया है। इतना ही नहीं जमीन बेच और खरीद भी ली गई। ऐसे 11 मकानों को आज तोड़ा जा रहा है। टीम ने मकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। यह मुस्लिम बहुल इलाका है। इससे पहले 29 अगस्त को भी उज्जैन विकास प्राधिकरण और नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्लाट नंबर-19 में बने अंगारा रेस्टोरेंट और एक मकान को जमींदोज किया था।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, पति-पत्नी,बहनोई और भांजे की मौत

गोलाकोट तीर्थ जा रहे था दमोह के जबेरा का जैन परिवार

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के मालथौन थाना अंतर्गत बरोदिया कला पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम खुशालीपुरा के पास एक कार को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी. घटना कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कार मे सवार चार बच्चे और कार चालक घायल हो गया.दमोह जिले के जबेरा के निवासी जैन परिवार के सदस्य कार में सवार होकर ललितपुर होते हुए शिवपुरी जिले में स्थित

गोलाकोट तीर्थ स्थल जा रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दमोह जिले के जबेरा थाना क्षेत्र के जैन परिवार के सदस्य निजी कार से गोलाकोट शिवपुरी की ओर जा रहे थे कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 झांसी लखनादौन के बीच सागर ललितपुर मार्ग पर मालथौन थाना क्षेत्र के ग्राम खुसालीपुरा के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। हादसे में गढ़ाकोटा के सुपेंद्र जैन उम्र 32 वर्ष और जबेरा की ऋतु जैन उम्र 35 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वही कार में सवार सचिन जैन उम्र 40 वर्ष निवासी जबेरा, अक्ष जैन पिता सुपेंद्र जैन उम्र ढाई वर्ष की सागर के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। इसके साथ ही चार बच्चे और चालक घायल हो गए, सुपेंद्र जैन सचिन के बहनोई थे. जिनको प्राथमिक उपचार के बाद सागर रैफर कर दिया गया है. पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच मे ले लिया है.मालथौन थाना प्रभारी अशोक यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

आदर्श भाजपा कार्यकर्ता कैसा हो, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके प्रत्यक्ष प्रमाण: भूपेन्द्र

सागर, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से हम सभी को हमेशा प्रेरणा मिलती है। एक आदर्श भाजपा कार्यकर्ता कैसा होना चाहिए मोदी स्वयं इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। उनका पूरा जीवन भाजपा के लिए संघर्षो और त्याग से भरा है। यह उद्गार पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने जिला भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे देशव्यापी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के लिए आयोजित हुई कार्यशाला में व्यक्त किए। सिंह ने कहा कि एक आदर्श कार्यकर्ता का भाव आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन में है। दिल्ली में आयोजित एक कार्यशाला में वे मंच पर नहीं बैठे बल्कि सबसे पीछे कार्यकर्ताओं के बीच बैठै। उन्होंने कहा कि भाजपा सही मायनों में कार्यकर्ता आधारित दल है करोड़ों कार्यकर्ता ही इसकी वास्तविक पूंजी हैं। कार्यशाला को जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी,जिला प्रभारी श्याम सुंदर शर्मा,सेवा पखवाड़ा टोली सह संयोजक वृंदावन अहिरवार,यश अग्रवाल आई.टी.विभाग संयोजक बाल किशन सोनी ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्रभुदयाल पटेल, शैलेश केसरवानी,महापौर संगीता तिवारी सेवा पखवाड़ा टोली सदस्य निकेश गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर जीएसटी रिफॉर्म पर व्यापारी बोले- नवरात्र से होगी अच्छी शुरुआत

रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी घटाने से बाजार में बढ़ेगा व्यापार

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जीएसटी की दरों के स्लैब बदलने और कई वस्तुओं को कर मुक्त करने को लेकर कारोबारियों एवं किसानों में उत्साह है। हालांकि इसके पूरी तरह लागू होने के बाद वास्तविक स्थिति सामने आएगी, लेकिन जो घोषणाएं की गई हैं, वे ठीक से लागू की गईं तो नवरात्र के पहले दिन से ही बाजार में धूम दिखाई देगा। जिले की अर्थव्यवस्था में कृषि का अहम स्थान है। ऐसे में किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक सहित कृषि उपकरण खरीदने में बड़ी राहत मिलेगी। दवाओं, व्यक्ति स्वास्थ्य बीमा पर भी जीएसटी खत्म होने से आम लोगों को लाभ मिलेगा। दैनिक दोपहर मेट्रो ने अलग-अलग श्रेणियों के कारोबारियों और किसानों से चर्चा की तो इस घोषणा का सकारात्मक असर दिखा।

जीएसटी की दरों के स्लैब बदलने और कई वस्तुओं के कर मुक्त होने की मिल रही खबरों से कारोबारियों एवं किसानों में उत्साह है। हालांकि इसके पूरी तरह लागू होने

के बाद वास्तविक स्थिति सामने आएगी, लेकिन जो घोषणाएं की गई हैं, वह ठीक से लागू की गईं तो नवरात्र के पहले दिन से ही बाजार में बूम दिखाई देगा। नवरात्र, दीपावली के बाद शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। आवश्यकता के अनुसार खरीदारी तो सभी करते हैं, लेकिन जीएसटी में राहत से यह खरीद बढ़ जाएगी। उसी बजट में जहां लोगों को ज्यादा खरीदी कर सकेंगे, वहीं ज्यादा खरीद से कारोबारियों को भी लाभ होगा।

मोबाइल कारोबार पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू है। स्लैब में बदलाव का फायदा मोबाइल व एसेसरीज विक्रेताओं को मिले, आने वाले समय में जब स्लैब को अमल में लाया जाएगा, तक पता चलेगा कि कितना बदलाव आया है।

-संजय जैन मोबाइल व्यापारी ,तेंदूखेड़ा

जीएसटी टैक्स स्लैब का दवा कारोबार पर कुछ हद तक असर तो पड़ेगा। दवाओं पर लागू जीएसटी दरें अलग-अलग श्रेणियों में बांटी गई हैं। इससे कारोबारियों, कंपनियों और उपभोक्ताओं पर विभिन्न प्रकार का प्रभाव दिखाई देता है। हालांकि इससे जरूरी दवाओं की कीमतों पर ज्यादा असर नहीं होगा।

-मनीष मोदी दवा कारोबारी तेंदूखेड़ा

नवरात्र, दीपावली के बाद शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। आवश्यकता के अनुसार खरीदारी तो सभी करते हैं, लेकिन जीएसटी में राहत से यह खरीद बढ़ जाएगी। जिसका उसी बजट में जहां लोगों को ज्यादा खरीद मिलेगी, वहीं ज्यादा खरीद से कारोबारियों को भी लाभहोगा

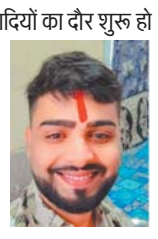

-भरत रजक कपड़ा व्यापारी तेंदूखेड़ा

कीटनाशक, बीज एवं खाद सस्ते हो जाएंगे कृषि उपकरणों में भी राहत मिलेगी। सामान सस्ते होंगे तो रबी में लागत कम होने से लाभमिल सकेगा, सरकार के निर्णय और नीति में बदलाव से अन्नदाता किसानों को अच्छा फायदा मिलने की उम्मीद है

-भागीरथ रजक किसान तेंदूखेड़ा

एशिया कप-2025: टीम इंडिया ने धमाकेदार जीत के साथ किया अभियान का आगाज

शिकस्त के बाद बोले यूएई के कोच- छोटी टीमों को दबा देता है भारत, पहले दी थी चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में भारत से मिली 9 विकेट की करारी शिकस्त के बाद यूएई के हेड कोच लालचंद राजपूत के सुर भी बदल गए हैं। मैच से पहले उन्होंने टीम इंडिया को चुनौती भरे लहजे में कहा था कि यूएई की टीम भारत को हरा सकती है। राजपूत ने दावा किया था कि यूएई की टीम संतुलित है और भारत के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है। लेकिन करारी शिकस्त के बाद उन्होंने कहा कि यूएई पहली बार इतने बड़े नाम और इतनी उच्च स्तरीय गेंदबाजी का सामना कर रही थी, जिससे खिलाड़ी दबाव में आ गए।

भारत के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में यूएई की पूरी टीम केवल 13.1 ओवर में 57 रन पर ढेर हो गई। जवाब में भारत ने महज़ 4।3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों का जलवा पूरे मैच में देखने को मिला। कुलदीप यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और मैन ऑफ द मैच रहे। उनके अलावा शिवम दुबे (3/4), वरुण चक्रवर्ती (1/4), अक्षर पटेल (1/13) और जसप्रीत बुमराह (1/19) ने भी अहम भूमिका निभाई।

क्या बोले यूएई के कोच

राजपूत ने हार के बाद कहा, ;उन्होंने कभी इस स्तर के गेंदबाजों का सामना नहीं किया है। बड़े नामों से वो दबाव में आ गए।% भारत ने इस मैच में एक खास रणनीति अपनाते हुए स्पिनर्स पर भरोसा जताया और सिर्फ जसप्रीत बुमराह को बतौर स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज खिलाया। अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया। राजपूत ने कहा, %वर्ल्ड चैंपियंस टीमें छोटे प्रतिद्वंद्वियों को दबा देती हैं। पावरप्ले तक सब ठीक था, लेकिन जैसे ही स्पिनर्स आए, मैच बदल गया। पिच पर ज्यादा टर्न नहीं था, लेकिन अगर सामने कुलदीप और वरुण जैसे गेंदबाज हों, तो दुनिया के बड़े बल्लेबाज भी जूझते हैं। और अगर अर्शदीप जैसे गेंदबाज भी बाहर बैठ रहे हैं, तो ये टीम इंडिया की गहराई को दर्शाता है।

ऐसी रही यूएई की बल्लेबाजी

यूएई की टीम जब पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसका पहला विकेट 26 के स्कोर पर गिरा। लेकिन अगले 31 रन बनाने में यूएई ने 9 विकेट गंवाए। कुलदीप ने इस मैच में 4 तो शिवम दुबे ने एक विकेट झटका। 58 रनों के जवाब में उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा के 16 गेंद में 30 और गिल के नाबाद 9 गेंद में 20 रनों और कप्तान सूर्या के नाबाद 7 रनों के दम पर ये मैच 4।3 ओवर में ही चेज कर लिया। भारत का अगला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान से होना है। सूर्या ने प्लेइंग इलेवन में संजू सैमस को मौका दिया था। तिलक वर्मा भी टीम में थे। लेकिन जितेश और रिंकू को मौका नहीं मिला था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई के लिए पारी का आगाज कप्तान मुहम्मद वसीम और शराफू ने किया। पहले दो ओवर में यूएई ने धारदार बल्लेबाजी की। लेकिन चौथे ओवर में यूएई को पहला झटका लगा जब बुमराह ने शराफू को बोल्ड किया। शराफू के बल्ले से 22 रन आए। इसके बाद 5वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने जोहैब को बाहर का रास्ता दिखाया। 5 ओवर के बाद यूएई का स्कोर 32-2 था। इसके बाद मुहम्मद वसीम से बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन कुलदीप यादव कहर बनकर बरपे। उन्होंने एक के बाद एक यूएई को झटके दिए, जिससे यूएई की पारी लड़खड़ा गई। कुलदीप के बाद शिवम दुबे ने भी गेंदबाजी से कहर बरपाया और यूएई की टीम महज 57 के स्कोर पर ढेर हो गई।

भारत (प्लेइंग इलेवन):-

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

यूएई (प्लेइंग इलेवन)

मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, आसिफ खान, हर्षित कौशिक, हैदर अली, ध्रुव पाराशर, मुहम्मद रोहिद खान, जुनैद सिद्दीकी, सिमरनजीत सिंह।

वर्ल्ड वुशु चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने रचा इतिहास

ऐतिहासिक प्रदर्शन कर हासिल किए चार पदक, अब अगला लक्ष्य एशियन गेम्स

नई दिल्ली , एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की वुशु टीम ने ब्राजील में आयोजित 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चार पदक हासिल किए, जो इस प्रतियोगिता में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह चैंपियनशिप 31 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुई।

भारतीय टीम ने तीन रजत और एक कांस्य पदक जीते। अपर्णा दहिया (52 किग्रा), करीना कौशिक (60 किग्रा) और शिवानी प्रजापति (75 किग्रा) ने रजत पदक जीते। सभी पदक सांडा श्रेणी में आए। सोनीपत के नाहरी गांव के 22 वर्षीय सागर दहिया ने 56 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस प्रदर्शन को वैश्विक स्तर पर भारतीय वुशु के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन के रूप में देखा जा रहा है। यह पहला मौका था जब तीन भारतीय महिला सांडा एथलीट वुशु विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचीं। झज्जर की 21 वर्षीय करीना और ग्रेटर नोएडा के दादरी गांव की 22 वर्षीय शिवानी, दोनों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली प्रतिस्पर्धा की।

वुशु खेल के लिए 5 करोड़ आवंटित

इस उपलब्धि को युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से समर्थन दिया। प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता के लिए 2025-26 वार्षिक कैलेंडर में वुशु खेल को 5 करोड़ की राशि आवंटित की गई। ब्राजील में होने वाली 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप में टीम की भागीदारी के लिए 70 लाख की राशि स्वीकृत की गई। इस अवसर पर आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भूपिंदर सिंह बाजवा ने आईएएनएस से कहा, फ्रहमारे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। तीन में से दो लड़कियां नई थीं। इसके बावजूद उनका प्रदर्शन शानदार रहा। एशियन गेम्स में हमारा लक्ष्य 4 से 5 पदक जीतना है। अपर्णा दहिया ने कहा, गोल्ड हाथ से फिसल गया, इसका दुख है।

आईसीसी रैंकिंग : पाकिस्तानी खिलाड़ियों को फायदा

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने लगाई लंबी छलांग, रैंकिंग में पहुंचे तीसरे स्थान पर

दुबई, एजेंसी

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। जोफ्रा आर्चर ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। हालांकि, सीरीज में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। जोफ्रा आर्चर ने वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाई है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कुल आठ विकेट लिए। इस दौरान साउथेम्प्टन में 18 रन देकर चार विकेट हासिल करना भी शामिल है। इस लिस्ट में साउथ अफ्रीका के केशव

महाराज शीर्ष पर हैं। वहीं, इंग्लैंड का यह दाएं हाथ का तेज गेंदबाज उनसे सिर्फ 26 रेटिंग अंक पीछे है। साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में आठ विकेट लेकर रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। आर्चर के साथी आदिल रशीद ने वनडे गेंदबाजों की इस लिस्ट में सात स्थान की छलांग लगाई है।

बल्लेबाजी में इंग्लैंड की तिकड़ी का धमाल

बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करें, तो इंग्लैंड की तिकड़ी ने धमाल मचाया है। रूट पांच पायदान ऊपर उठकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जोस बटलर सात पायदान ऊपर 35वें स्थान पर आ गए हैं। इनके अलावा जैकब बेथेल ने 56 पायदान की छलांग लगाते हुए 65वें स्थान अपने नाम कर लिया है। मेजबान संयुक्त अरब अमीरात और अफगानिस्तान की टीमों के साथ टी20 त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान ने शानदार जीत दर्ज की थी, जिसके बाद कई खिलाड़ियों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार किया है।

एशिया कप: हाईवोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व क्रिकेटरों में दिखी दहशत

पाक खिलाड़ियों को दर्शकों से रहम की उम्मीद

नई दिल्ली , एजेंसी

नई दिल्ली पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने उम्मीद जताई है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगा। कामरान अकमल ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट से बात करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान संबंधों में यह कठिन समय है। रविवार को दोनों देशों के बीच होने वाले मैच को लेकर माहौल तनावपूर्ण है। इसे बेहद सावधानी से संभालने की जरूरत है। मुझे लगता है कि अगर मैच अच्छा रहा तो ही स्थिति बेहतर होगी।

उन्होंने कहा, ÷प्रशंसकों को बड़ा दिल दिखाना चाहिए और पूरे मैच का आनंद लेने के लिए एक साथ आना चाहिए। पहले जैसा माहौल होना चाहिए। मैं प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी सीमा न लांघें, चाहे वे पाकिस्तान के हों या भारत के। उन्हें मैच को सफल बनाना होगा ताकि भारत-पाक मैच जारी रहे। अकमल ने कहा, आक्रामकता भारत-पाकिस्तान

मैच की खूबसूरती है। उस आक्रामकता को कैसे लिया जाए, यही सबसे जरूरी है। एक-दूसरे का सम्मान होना चाहिए। खिलाड़ियों को याद रखना होगा कि क्रिकेट सज्जनों का खेल है। अगर वे इसे ध्यान में रखेंगे, तो मुझे यकीन है कि रविवार का मैच बिना किसी परेशानी के होगा।

गौतम गंभीर के साथ इमरान की हो चुकी है झड़प

भारतीय कोच गौतम गंभीर के साथ कामरान अकमल की झड़प हो चुकी है। यह घटना 2010 में श्रीलंका में हुए एशिया कप के दौरान घटी थी। इससे जुड़े सवाल पर अकमल ने कहा कि वह एक गलतफहमी थी। गौतम बहुत अच्छे इंसान हैं। हम ए टीम इवेंट के लिए साथ में केन्या गए थे और अच्छे दोस्त बन गए थे। उस मैच में, जब उनका शॉट चूक गया, तो मैंने अपील की। ??वह अपने आप से इस चूक के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन मुझे लगा कि उन्होंने मुझसे कुछ कहा है। ऐसे ही गलतफहमी हुई। अकमल ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत-पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान स्टेडियम भरा हुआ होगा। क्रिकेट ही दोनों देशों के बीच राजनीतिक मतभेदों को दूर कर सकता है। इसलिए क्रिकेट होना जरूरी है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

नो मेक-अप लुक में इन अभिनेत्रियों ने हासिल की महारत

आज की दुनिया जहां हर कोई कॉन्टूरिंग, हाईलाइटिंग और इंस्टाग्राम-परफेक्ट मेकअप के पीछे भाग रहा है, वहीं अपनी नेचुरल ब्यूटी को अपनाना एक सुखद और ताज़गीभरा एहसास देता है। नो-मेकअप ट्रेंड अब चर्चा का विषय बन गया है, जो साबित करता है कि कभी-कभी सबसे बेहतरीन लुक वही होता है जो सिर्फ़ स्वस्थ और दमकती त्वचा के साथ सहज स्टाइलिंग से उभरता है। पूल साइड सेल्फी से लेकर कैफ़े में कैज़ुअल पलों तक, बी-टाउन की ये पाँच खूबसूरत अभिनेत्रियाँ नेचुरल ब्यूटी की कला में महारत हासिल करने का तरीका दिखाती हैं - जहां आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बेहतरीन एक्सेसरी बन जाता है और औथेंटिसीटी हर बार परफेक्शन पर भारी पड़ती है। जैसे आलिया भट्ट ने बताया, %समुद्री नमक और समुद्री हवा% से सजे गीले बाल और पानी से निकली ताज़ी चमकती त्वचा ने एक सहज और आकर्षक लुक दिया। नैचुरल फ्लश और बेहद कम मेकअप ने इस बात को साबित किया कि कैमरों से दूर आलिया का सिग्नेचर लुक यही है – और कई बार सबसे सुंदर लुक वो होता है जिसमें कोई मेकअप ही नहीं होता।

कियारा आडवाणी की दिखी सादगी भरी चमक

किआरा आडवाणी छुट्टियों पर हैं, उन्होंने केबल-निट स्वेटर को प्राकृतिक रूप से स्टाइल किए हुए बालों के साथ पेयर किया है, जो ऑफ-ड्यूटी के लिए एकदम सही एलिगेंस बना रहा है। उनकी सादगी भरी चमक और बिना मेहनत के बालों की नैचुरल मूवमेंट ने आई वोक अप लाइक दिसफ्र वाला लुक पूरी तरह से हासिल कर लिया। सफर के दौरान भी, जान्हवी कपूर ने एक ऐसा स्टाइल स्टेटमेंट बनाया जिससे साबित हुआ कि प्राकृतिक सुंदरता हर जगह साथ चलती है। सॉफ्ट लाइटिंग और न्यूनतम स्टाइलिंग ने एक ऐसा आकर्षक निखार दिया है जो एलिगेंट होने के साथ-साथ पूरी तरह से अपनाने योग्य भी है – साथ ही यह लुक शांत और सुकून देने वाला भी है। बोल्ड प्रिंट्स और नैचुरल वेव्स के साथ कृति सेनन का यह वेकेशन लुक एकदम परफ़ेक्ट लगा। सूरज की हल्की तपिश में दमकती त्वचा, लहराते बाल और चटक रंग का स्विमसूट – सब कुछ मिलकर एक ऐसा संतुलन बना रहे थे जिसमें प्राकृतिक सुंदरता और हल्का-फुल्का ग्लैमर का एक बेहतरीन संतुलन था।

स्टाइलिश अंदाज में दिखी रीम शेख

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रीम शेख अपने खूबसूरत लुक और अनोखे अंदाज के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ वह फैशन के मामले में भी फैंस के दिलों पर राज करती हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में रीम ने काले रंग का लखनऊ चिकनकारी अनारकली सूट पहना है, जो उनकी सादगी और स्टाइल का शानदार मिश्रण पेश करता है। इस सूट की बारीक कढ़ाई और हल्का-फुल्का फैब्रिक उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। रीम ने अपने इस ट्रेडिशनल परिधान को सादगी भरे मेकअप के साथ पूरा किया। उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ रखा है, जो उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार रहा है। इसके साथ ही रीम ने सफेद रंग के बड़े-बड़े झुमके पहने, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आईं, जिसमें उनकी मुस्कान और कॉन्फिडेंस साफ झलक रहा है। हर तस्वीर में उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास फैंस को लुभा रहा है। रीम ने अपनी इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, प्रात को जब चांद चमके...।

फिच ने भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ाया, अमेरिकी टैरिफ का अर्थव्यवस्था पर होगा मामूली असर

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली1ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की त्रष्ठक्क्रग्रोथ अनुमान 6.5त्न से बढ़ाकर 6.9त्न कर दिया है। यह बदलाव घरेलू मांग और मजबूत आर्थिक गतिविधियों की वजह से हुआ है। 9 सितंबर को जारी रिपोर्ट में फिच ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था प्राइवेट कंजप्शन और इन्वेस्टमेंट की वजह मजबूत है। हालांकि, ग्लोबल

इकॉनमी में सुस्ती और तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव की चुनौतियां हैं, लेकिन भारत ने इनका सामना किया है। फिच ने कहा कि मजबूत घरेलू नीतियां और निवेश की बढ़ती रफ्तार ने भारत को सही दिशा में रखा है। FYw में औद्योगिक उत्पादन और सर्विस सेक्टर में भी सुधार की उम्मीद है। अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर होगा इससे पहले फिच ने कहा था कि अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इसे आखिर में कम भी किया जा सकता है। फिच ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को BBB- पर बरकरार रखा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि अमेरिका को होने वाले निर्यात का भारत की GDP में केवल 2त्न हिस्सा है, इसलिए इन टैरिफ का सीधा प्रभाव मामूली होगा। हालांकि, टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का निवेश पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

इक्विटी म्यूचुअल फंड इनफ्लो अगस्त में 33 हजार करोड़ रहा, गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा

नई दिल्ली । इक्विटी म्यूचुअल फंड में इनफ्लो अगस्त में 33,430.37 करोड़ रुपए रहा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से बुधवार को दी गई। एम्फी के द्वारा जारी किए गए डेटा में बताया गया कि बीते महीने लार्ज-कैप फंड्स में रिकॉर्ड 2,834.88 करोड़ रुपए का फंड आया है। मिड-कैप कैटेगरी में 5,330.62 करोड़ रुपए और स्मॉल-कैप कैटेगरी में 4,992.90 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है। फ्लैक्सी-कैप फंड्स में रिकॉर्ड 7,679.40 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है, जो कि इससे पहले के महीने में आए 7,654 करोड़ रुपए के इनफ्लो से मामूली रूप से अधिक है। गोल्ड ईटीएफ में अगस्त में 7,200 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है, जो कि जुलाई में 1,200 करोड़ रुपए था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद, अगस्त 2025 में सकारात्मक इक्विटी प्रवाह का यह लगातार 54वां महीना था। हालांकि, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) जून में 74.41 लाख करोड़ रुपए और जुलाई में 75.35 लाख करोड़ रुपए से थोड़ी कम होकर 75.18 करोड़ रुपए हो गया है।

एएमएफआई डेटा पर सैमको म्यूचुअल फंड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, कुल मिलाकर बाजार में सुधार होता दिख रहा है और पिछले 30 दिनों में 2-3 फीसदी की तेजी आई है। इसके बावजूद, हमने म्यूचुअल फंड योजनाओं के लिए तिमाही-दर-तिमाही इनफ्लो में मंदी देखी है। उन्होंने आगे कहा कि जुलाई में 42,702 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया था, जो कि अगस्त में 33,430 करोड़ रुपए है। वहीं, अगस्त 2024 से लेकर अगस्त 2025 के बीच औसत नेट इनफ्लो 33,000 करोड़ रुपए रहा है।

रूस के ड्रोन पोलैंड की हवाई सीमा में घुसे तो बंद करने पड़े वारसॉ सहित चार एयरपोर्ट

नाटो की धरती तक पहुंचा रूस -यूक्रेन युद्ध अलर्ट पर यूरोपीय देशों के लड़ाकू विमान

मॉस्को, वारसॉ, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध अब सीधे नाटो की जमीन तक पहुंच गया है। बीती रात दर्जनभर से ज्यादा रूसी ड्रोन पोलैंड की हवाई सीमा में दाखिल हो गए, जिसके बाद नाटो के लड़ाकू विमानों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया। स्न-16 और F-35 जेट्स ने मोर्चा संभाला और कई ड्रोन को गिरा दिया। इस घटना ने NATO को पहली बार अपने ही सदस्य देश की हवाई सीमा में दुश्मन टारगेट से भिड़ने पर मजबूर कर दिया। रातभर में 19 से ज्यादा बार पोलैंड की हवाई सीमा का उल्लंघन हुआ, जिनमें कुछ ड्रोन बेलारूस से आए। सुरक्षा कारणों से वारसॉ समेत चार एयरपोर्ट बंद करने पड़े। सवाल उठ रहा है कि क्या अब धीरे-धीरे दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है।

इस ड्रोन हमले के बाद NATO ने आपात प्रावधान आर्टिकल 4 को लागू किया, जिसके तहत सदस्य देशों की सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता पर खतरा महसूस होने पर तुरंत सामूहिक परामर्श होता है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा, 'यह बड़े पैमाने पर उकसावे की कोशिश है। हालात बेहद गंभीर हैं और हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा। दूसरे विश्व युद्ध के बाद आज हम युद्ध के इतने करीब कभी नहीं थे.' इस हमले ने पहली बार रूस-यूक्रेन जंग को NATO की जमीन पर सीधे ला खड़ा किया है। पोलैंड और NATO की वायु सेनाओं ने कम से कम तीन ड्रोन गिराए।

संयोग नहीं सीधा हमला

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन ने अपने टाइफून जेट भेजने की तैयारी जताई है। नीदरलैंड के एफ-35 लड़ाकू विमानों ने भी इंटरसेप्शन मिशन में हिस्सा लिया। NATO देशों ने पोलैंड की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के ठोस प्रस्ताव रखे हैं। प्रधानमंत्री टस्क ने आपात बैठक बुलाकर कहा, 'यह सिर्फ एक तकनीकी गलती नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर उकसावे की कोशिश है। हम हर स्थिति से निपटने को तैयार हैं.' पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लॉ सिकॉर्स्की ने साफ शब्दों में कहा, '19 बार उल्लंघन कोई संयोग नहीं हो सकता, यह सीधा हमला है।'

रूस का हमले से इंकार

दूसरी ओर, रूस ने आधिकारिक बयान में कहा कि पोलैंड पर हमला करने का कोई इरादा नहीं था और वह बातचीत के लिए तैयार है। मगर पोलैंड का कहना है कि सबूत साफ हैं और यह घटना आकस्मिक नहीं हो सकती। उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इइअह देशों से कड़ी प्रतिक्रिया की मांग की है। उन्होंने कहा, 'मॉस्को हमेशा सीमाओं को परखता है, और अगर कड़ी प्रतिक्रिया नहीं मिलती तो वह अगला कदम बढ़ा देता है ।

उधर, अमेरिका ने कहा- हमास नेताओं को मारने के लिए फिर होगा हमला

यरूशलम/दोहा, एजेंसी। अमेरिका में इजरायली राजदूत ने कहा है कि अगर इजरायल ने कतर पर हवाई हमले में हमास नेताओं को नहीं मारा, तो वह अगली बार सफल होगा। इस हमले ने पहले ही गाजा में युद्धविराम के प्रयासों पर पानी फेर दिया है। अब इजरायली राजदूत के बयान के बाद इजरायल और कतर के संबंधों में और ज्यादा तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। दुनियाभर के देशों ने कतर पर इजरायली हमले की निंदा की है। इजरायल ने इस हमले में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाया था। हालांकि, बताया जा रहा है कि उनमें से अधिकतर बचने में सफल रहे हैं।

इजरायली राजदूत ने कतर हमले पर क्या कहा: इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने मंगलवार देर रात फॉक्स न्यूज के स्पेशल रिपोर्ट कार्यक्रम में कहा, अभी, हम थोड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। वे इससे उबर जाएँगे। और इजराइल बेहतरी के लिए बदल रहा है। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में बेहतरी के लिए बदलाव हो रहा है क्योंकि हम शांति के इन दुश्मनों और पश्चिमी सभ्यता के इन दुश्मनों को आतंकवाद को अंजाम देने की उनकी क्षमता से दूर कर रहे हैं। लीटर ने कहा, अगर हम उन्हें इस बार नहीं पकड़ पाए, तो अगली बार पकड़ लेंगे।

इजरायल ने कतर में किया था हवाई हमला: इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के राजनीतिक नेताओं को मारने का प्रयास किया था, जिससे मध्य पूर्व में उसकी सैन्य कार्रवाई और तेज हो गई। अमेरिका ने इसे एकतरफा हमला बताया जो अमेरिकी और इजरायली परस्पर हितों के खिलाफ माना गया। यह अभियान विशेष रूप से संवेदनशील था क्योंकि मध्यस्थ कतर लगभग दो वर्षों से चल रहे गाजा युद्ध में युद्धविराम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वार्ता आयोजित कर रहा था।

हमास नेता का बेटा मारा गया: हमास ने कहा कि हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए, जिनमें उसके निर्वासित गाजा प्रमुख और शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या का बेटा भी शामिल है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य सुहैल अल-हिंदी ने अल जजीरा टीवी को बताया कि समूह का शीर्ष नेतृत्व हमले में बच गया। एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने बुधवार को कहा कि हमले के परिणामों को लेकर आशावाद संदेह में बदल गया है। अधिकारी ने कहा कि इतने घंटे बीत जाने के बाद भी कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पाना चिंताजनक है, खासकर कतर जैसे व्यवस्थित देश में।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की नजर

पीएम मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सार, एजेंसी

पीएम मोदी के शनिवार को मिजोरम से मणिपुर पहुंचने की संभावना है। हालांकि इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। मगर मणिपुर में तैयारियां चल रही हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर समेत पूरे राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। साथ ही चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की नजर है। इंफाल में 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड और इसके आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया है। यहां प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है।पीएम मोदी के शनिवार को मिजोरम से मणिपुर पहुंचने की संभावना है। हालांकि इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। मगर मणिपुर में तैयारियां चल रही हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर कांगला किले की ओर जाने वाले संजेनथोंग, मिनुथोंग और मोइरंगखोम क्षेत्रों में तलाशी और चेकिंग बढ़ा दी गई है। केंद्रीय सुरक्षा दल, राज्य कर्मियों के साथ कांगला किले का 24 घंटे निरीक्षण कर रहे हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है।केंद्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि किसी भी अवांछित सामग्री का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सुरक्षाकर्मी बारी-बारी से किले में पैदल गश्त कर रहे हैं ताकि किसी भी अवांछित संकेत की जांच की जा सके। किले में सभी के प्रवेश का पंजीकरण और जांच की जा रही है और किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा हॉस्टल में गोली लगने से घायल आगरा के देवांश की भी सांसे थमी

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित एक निजी हॉस्टल में मंगलवार सुबह हुई गोलीकांड में दोनों छात्रों की मौत हो चुकी है। घटना में आंध्र प्रदेश निवासी छात्र दीपक की मौके पर ही जान चली गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल आगरा के देवांश चौहान ने बुधवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, दोनों को दाएं कान के ऊपर से सटकर गोली लगी थी। रिपोर्ट में ब्लैक स्पॉट मिलने से यह आशंका और गहरी हो गई है कि दोनों ने खुदकुशी की होगी। हालांकि पुलिस अभी तक इस हादसे की असली वजह का पता नहीं लगा पाई है कि आखिर मौत कैसे और किस कारण से हुई। घटना से दोनों परिवार के लोग टूटे हुए थे। जानकारी के मुताबिक, दीपक और देवांश दोनों ग्रेटर नोएडा के एक कॉलेज से पीजीडीएम की पढ़ाई कर रहे थे, और एक ही हॉस्टल में साथ साथ रहते थे। घटना में देवांश के पिता, सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी सुरेंद्र कुमार चौहान की लाइसेंसी रिवॉल्वर का इस्तेमाल हुआ। हादसे के बाद दीपक का शव उनके परिजन हवाई जहाज से आंध्र प्रदेश लेकर चले गए थे। जबकि देवांश का शव एंबुलेंस से आगरा लाया गया। शाम होते-होते गम के माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

फ्रांस में बवाल, 80 हजार की फॉर्स से भिड़े आंदोलनकारी, 200 गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी

नेपाल के बाद अब फ्रांस में जोरदार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। फ्रांस में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू की सरकार गिरने के एक दिन बाद राजधानी पेरिस और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने सड़कें बाधित कर दीं और आगजनी की। पुलिस ने उन पर आंसू गैस के गोले दागे। फ्रांस के गृह मंत्री ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के शुरुआती घंटों में लगभग 200 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने इसका ब्लॉक ब्लॉक एवरीथिंग मूवमेंट नाम दिया है। विरोध प्रदर्शन हालांकि ऑनलाइन शुरू हुआ था लेकिन बाद में यह तीव्र होता गया और 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती को चुनौती देते हुए प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को तोड़ दिया जिसके

बाद पुलिस ने तेजी से गिरफ्तारियां कीं।

फ्रांसीसी गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेन्नेस में एक बस में आग लगा दी गई और दक्षिण-पश्चिम में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से रेलगाड़ियां बाधित हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी विद्रोह का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ब्लॉक इवरीथिंग की शुरुआत गर्मियों के दिनों में हुई थी। इस आंदोलन को सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और एक्स के जरिए बढ़त मिली। इसके जरिए हड़ताल, बायकाट और सड़कों पर प्रदर्शन का आह्वान छात्रों, वर्कर्स और कार्यकर्ताओं से किया गया। विश्लेषकों का कहना है कि फ्रांस सरकार के लिए इसे दबाना मुश्किल हो रहा है। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। लगभग एक साल में देश को चौथी बार नया प्रधानमंत्री मिला है।

मुख्यमंत्री से मिले जनसंपर्क आयुक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नवागत आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक सक्सेना ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की।

यातायात पुलिस ने गर्भवती को स्ट्रेचर से भूस्खलन जोन पार कराया, मौसम साफ हुआ पर मुश्किलें नहीं कम

सार, एजेंसी। नालूपानी के पास लगातार भूस्खलन होने से गंगोत्री हाईवे पर भी देर शाम आवाजाही शुरू हो पाई। दूसरी ओर चिन्यालीसौड़ से जिला अस्पताल रेफर गर्भवती महिला को यातायात पुलिस ने भूस्खलन क्षेत्र स्ट्रेचर पर आरपार करवाया। उसके बाद उसे देवीधार तक अपने वाहन और वहां से जिला अस्पताल एंबुलेंस की मदद से पहुंचाया।नालूपानी के समीप मौसम साफ होने के बावजूद लगातार भूस्खलन हो रहा है। बीते मंगलवार को पर भूस्खलन के कारण गंगोत्री हाईवे पर 24 घंटे बाद आवाजाही सुचारू हुई थी। बुधवार सुबह फिर वहां पर भूस्खलन होने से सड़क बंद हो गई। हालांकि बीआरओ की मशीनें दोनों ओर से मलबा और बोल्डर हटाने का कार्य कर रही है लेकिन लगातार हो रहे भूस्खलन से सड़क खोलने में पूरा दिन बीत गया और आखिरकार देर शाम को हाईवे पर आवाजाही सुचारू हो पाई। दूसरी ओर

बुधवार दोपहर को चिन्यालीसौड़ निवासी गर्भवती महिला काजल को जिला अस्पताल रेफर किया गया। नालूपानी के पास सड़क बंद होने के कारण वहां पर फंस गए। उनकी समस्या को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात यातायात निरीक्षक संजय रौथाण, हेड कांस्टेबल अशोक जुयाल, कांस्टेबल राजेश उनियाल ने भूस्खलन जोन के बीच स्ट्रेचर पर गर्भवती महिला को पार करवाया। उसके बाद यातायात पुलिस ने देवीधार तक गर्भवती और उसके परिजनों को अपने वाहन से पहुंचाया।

सात साल की बच्ची से रेप और फिर मर्डर के दोषी को सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में उत्तराखंड में 7 साल की बच्ची के बलात्कार और हत्या के मामले में एक मौत की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा सुनाने से पहले अदालतों को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। इस मामले को लिटिल निर्भया कहा गया था और इससे पूरे राज्य में गुस्सा था। जस्टिस विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की बेंच ने ट्रायल कोर्ट और उत्तराखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें उसे दोषी ठहराया गया था और मौत की सजा सुनाई गई थी।

कोर्ट ने एक अन्य आरोपी को भी बरी कर दिया जिसे 7 साल की जेल की सजा हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में कई कमियां थीं और अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। यह मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी-अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने के लिए परिस्थितियों की पूरी और अटूट श्रृंखला स्थापित करने में विफल रहा है। जस्टिस मेहता ने फैसला लिखते हुए अदालतों से मौत की सजा सुनाते समय सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कैपिटल पनिशमेंट की प्रकृति ऐसी है कि इसे केवल रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही लगाया जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष के मामले में थोड़ी सी भी शंका या कमजोरी होने पर ऐसी सजा नहीं दी जानी चाहिए।

इस मामले में अभियोजन पक्ष ने कहा था कि बच्ची 29 अप्रैल, 2014 को लापता हो गई थी। उसका शव अगले दिन मिला था। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपी ने बच्ची के साथ बलात्कार किया और फिर उसकी हत्या कर दी। ट्रायल कोर्ट ने 2016 में आरोपी को दोषी ठहराया था और उसे मौत की सजा सुनाई थी। हाई कोर्ट ने भी 2018 में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था।

मेट्रो एंकर

अक्सर यमन के हूती विद्रोही इन केबल्स के साथ करते हैं छेड़छाड़

समंदर के नीचे गुजरने वाली केबल से चलता है इंटरनेट, देख पाते हैं यूट्यूब-फेसबुक

मुबई, एजेंसी

घरों में बिजली कैसे आती है, इसका जवाब तो हर कोई जानता है, तार से। लेकिन आपके मोबाइल तक इंटरनेट कैसे आता है, आप कहेंगे टावर से। लेकिन टावर तक इंटरनेट कहां से पहुंचता है? जवाब है केबल से। हाल ही में भारत, पाकिस्तान और मिडिल ईस्ट में इंटरनेट प्रभावित हुआ था, क्योंकि लाल सागर से गुजरने वाली इंटरनेट के केबल्स बिगड़ गई थीं। बिगड़ गई थीं या बिगाड़ दी गई थीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि अक्सर यमन के हूती विद्रोही इन केबल्स के साथ छेड़छाड़ करते हैं।

भारत के लिए इंटरनेट केबल्स क्यों जरूरी?

लाल सागर से गुजरने वाली इंटरनेट केबल्स एशिया और यूरोप के देशों के लिए बेहद जरूरी हैं। टेलीजियोग्राफी के आंकड़े बताते हैं कि कई देशों का आधे से ज्यादा इंटरनेट बैंडविड्थ यूरोप तक लाल सागर की केबल्स के जरिए जाता है। यूरोप और

एशिया के बीच 90% से ज्यादा इंटरनेट क्षमता इन्हीं केबल्स पर निर्भर करती है। यह बताता है कि ये केबल्स वैश्विक इंटरनेट के लिए कितनी अहम हैं। भारत का 95% से ज्यादा इंटरनेशनल डेटा इन्हीं केबल्स के जरिए जाता है। ये फाइबर-ऑप्टिक केबल्स हजारों किलोमीटर तक समुद्र के नीचे बिछी होती हैं। इन्हीं के कारण ई-मेल, वीडियो कॉल, ई-कॉमर्स, क्लाउड सर्विसेज, सोशल मीडिया सर्विसेज और अन्य ऑनलाइन सेवाएं चल पाती हैं। भारत में 17 अंतरराष्ट्रीय केबल्स 14 स्टेशनों पर आती हैं। ये स्टेशन जो मुंबई, चेन्नई, कोचीन, तूतीकोरिन और त्रिवेंद्रम में हैं।

कई बार हो चुकी है हूती विद्रोहियों का हमला

इंटरनेट इन्हीं केबल्स और सैटेलाइट्स के दम पर काम करता है। कई बार ये केबल टूट जाती हैं, जिससे इंटरनेट इंटरनेट प्रोवाइडर कंपनियां दूसरे तरीके भी अपनाती हैं, लेकिन उनके लिए सबसे सुगम तरीका केबल ही है। यही कारण है कि जब ये टूट भी जाती हैं, तब भी केबल्स को फिर से रिपेयर किया जाता है। कई बार तो हूती विद्रोही इन्हें जानबूझकर छेड़ते हैं, ताकि रिपेयर करने कोई शिप आए तो उससे फिरौती वसूली जाए। आंकड़े बताते हैं कि यमन के हूती विद्रोहियों ने 2023 के अंत से अब तक 100 से ज्यादा जहाजों पर हमला किया है।

कौन बिछाता है इंटरनेट केबल्स

समुद्र के नीचे केबल्स बिछाने और उनकी देखभाल करने का काम बहुत टेढ़ा है। यह काम किसी देश की सरकार नहीं, बल्कि निजी कंपनियां और इंटरनेशनल ग्रुप्स करते हैं। भारत में टाटा कम्युनिकेशंस, रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, सिफी टेक्नोलॉजीज और बीएसएनएल जैसी कंपनियां इस काम में शामिल हैं। जबकि वर्ल्ड लेवल पर सबकॉम, अल्काटेल सबमरीन नेटवर्क्स और टीई सबकॉम जैसी कंपनियां विशेष जहाजों का इस्तेमाल करके इंटरनेट केबल्स बिछाती हैं। ये जहाज संवेदनशील इलाकों और गहरे समुद्र के खतरों से बचते हुए काम करते हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि टाटा कम्युनिकेशंस के पास पांच केबल लैंडिंग स्टेशन हैं। तीन मुंबई में और एक-एक चेन्नई और कोचीन में हैं। ग्लोबल क्लाउड एक्सचेंज, जिसे पहले रिलायंस ग्लोबलकॉम नाम से जाना जाता था, इसके मुंबई में वर्सोवा और त्रिवेंद्रम में वॉर्फ केबल स्टेशन हैं। रिलायंस जियो के पास चेन्नई में बीबीजी स्टेशन और मुंबई में एएई-1 स्टेशन है। हालिया जानकारी के मुताबिक, रिलायंस जियो अपनी नई आईएएक्स और आईईएक्स केबल्स के लिए भी स्टेशन बना रहा है। सिफी टेक्नोलॉजीज मुंबई में मेना और जीबीआई केबल सिस्टम के लिए स्टेशन चलाता है। भारती एयरटेल के पास चेन्नई में दो और मुंबई में एक स्टेशन हैं। BSNL ने श्रीलंका के लिए अपनी पहली इंटरनेशनल केबल और चेन्नई-अंडमान निकोबार केबल सिस्टम बनाया है।

तीन बेटियों को मारा फिर मां ने दी जान

सार, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत के टीकरी कस्बे की पट्टी भोजान में मां ने तीन बेटियों को मौत के घाट उतारने के बाद खुद भी जान दे दी। मामले में नई-नई बातें सामने आ रही हैं। मृतका के विकास ने बताया कि वह अनपढ़ है और टूरिस्ट बस चलाता है। उसकी पत्नी तेज कुमारी ने नेपाल से बीए की पढ़ाई कर रखी थी, जो घर में बच्चों को भी पढ़ाती रहती थी। इसी वजह से वह दिल्ली में जाकर रहने और बेटियों को बड़े स्कूल में पढ़ाने का दबाव भी बनाती रहती थी। टीकरी कस्बे की पट्टी भोजान निवासी टूरिस्ट बस चालक विकास की पत्नी तेज कुमारी ने अपनी बेटी गुंजन, किट्टो और नीरा की चुनरी से गला घोंटकर हत्या करने के बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। रात करीब नौ बजे नींद से जागे विकास को कमरे का दरवाजा बंद मिला और आवाज लगाने पर भी अंदर से जवाब नहीं आने पर उसने पुलिस को बुला लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022